सुविचार

मुस्कुराहट
वह ताकत है
जो बड़े से बड़े
दुख को भी
हल्का कर
देती
है।

प्रथम न्यूज

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

PRATHAM NEWS

Website: www.prathamnews.in

email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News

@dainikprathamnews

शुभमन गिल की कप्तानी पारी, भारत ने अफगानिस्तान को दी करारी शिकस्त... » पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 163 | दिनांक : रविवार, 14 जून 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्य: ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

संक्षिप्त न्यूज

पीएम मोदी फ्रांस पहुंचे, मैक्रों से करेंगे द्विपक्षीय वार्ता

नीस में 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का संयुक्त शुभारंभ आज

नई दिल्ली (एजेंसी)- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस के दौरे पर नीस पहुंच गए हैं। वह फ्रांस के राष्ट्रपति इम्मानुल मैक्रोन के निमंत्रण पर 13 से 14 जून तक नीस तथा 16 से 18 जून तक एवियन और पेरिस की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। दौरे के दौरान 14 जून को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें भारत-फ्रांस संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की जाएगी।

नीस में दोनों नेता 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का संयुक्त रूप से शुभारंभ करेंगे। इस कार्यक्रम में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के प्रमुख स्टार्टअप्स तथा वेंचर कैपिटल फंड भाग लेंगे। इसका उद्देश्य नवाचार, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाना है।

प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान कई अन्य अहम बैठकें भी प्रस्तावित हैं। वह G-7 देशों के सम्मेलन से जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और वैश्विक मुद्दों पर विभिन्न नेताओं के साथ चर्चा करेंगे। G-7 समूह में यूनाइटेड स्टेट्स, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। यह दौरा भारत और फ्रांस के बीच रणनीतिक साझेदारी को नई गति देने के साथ-साथ वैश्विक मंचों पर भारत की सक्रिय भूमिका को भी मजबूत करेगा।

बंद खदान में कोयला खोदने गए 4 लोगों की दर्दनाक मौत

हैदराबाद (ब्यूरो)- झारखंड के रामगढ़ जिले में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें चार युवकों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बंद पड़ी खदान में कोयला खनन के दौरान जहरीली गैस के रिसाव की चपेट में आने से चार लोगों ने दम तोड़ दिया। यह हादसा रामगढ़ जिला और गिद्दी क्षेत्र के रामगढ़ वन क्षेत्र अंतर्गत चपरी-बुमरी इलाके में स्थित हुआ। स्थानीय लोगों के अनुसार, कुछ युवक बंद खदान में कोयला निकालने के लिए नीचे उतरे थे। इसी दौरान खदान के भीतर अचानक जहरीली गैस का रिसाव होने लगा। गैस की चपेट में आने से सभी लोग अचेत हो गए और बाहर नहीं निकल सके।

हादसे की सूचना पर पुलिस, सीसीएल और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची और राहत बचाव अभियान चलाया गया। काफी मशक्कत के बाद चारों युवकों को खदान से बाहर निकालकर रामगढ़ सदर अस्पताल पहुंचाया गया। रामगढ़ सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. हरेंद्र कुमार महतो ने बताया कि चार लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि अस्पताल लाए गए चार लोगों में दो की मौत पहले ही हो चुकी थी, जबकि दो अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

होर्मुज सभी के लिए खुलेगा...

ट्रंप ने ईरान के साथ समझौते पर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)- ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस डील पर आज हस्ताक्षर होने की उम्मीद है और समझौते के साइन करते ही होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी के लिए खोल दिया जाएगा। हालांकि, सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान और अमेरिका के बीच दुश्मनी खत्म करने के लिए प्रस्तावित समझौता फिलहाल टल गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बराक हुसैन ओबामा की डील, JCPOA, परमाणु हथियार पाने का एक आसान, शानदार और सीधा रास्ता थी। अगर वह डील रहती तो ईरान के पास छह साल पहले ही परमाणु हथियार आ जाते और वह अब तक उनका इस्तेमाल भी कर चुका होता। ईरान के साथ मेरा समझौता बिल्कुल इसके उलट है - परमाणु हथियार न पाने की एक मज़बूत दीवार! असल में, अब वे परमाणु हथियार नहीं चाहते और न ही उन्हें यह मिलेगा-चाहे खरीदकर, बनाकर या किसी और तरीके से। इस डील पर कल साइन होने हैं और साइन होते ही होर्मुज़ जलडमरूमध्य सभी के लिए खुल जाएगा।

दु:खद हादसा

एयरफोर्स का AN-32 क्रैश, 5 जवान शहीद

» प्रथम न्यूज । जोरहाट/नई दिल्ली
13 जून (ब्यूरो)

भारतीय वायु सेना का एक AN-32 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट शनिवार को असम के जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन पर लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दर्दनाक हादसे में वायु सेना के पांच जवान शहीद हो गए, जबकि विमान के को-पायलट को सुरक्षित बचा लिया गया है और उनका इलाज जारी है। हादसे के बाद भारतीय वायु सेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए हैं।

भारतीय वायु सेना के अनुसार AN-32 ट्रांसपोर्ट विमान जोरहाट एयरफोर्स स्टेशन पर उतरने की प्रक्रिया में था। इसी दौरान विमान अचानक नियंत्रण खो बैठा और एयरबेस के निकट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और एयरफोर्स की आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंच गईं। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड और एयरफोर्स की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों ने तत्काल अभियान शुरू किया। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान घायल को-पायलट को सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

भारतीय वायु सेना ने हादसे में शहीद हुए जवानों के नाम जारी करते हुए गहरा दुख व्यक्त किया है। शहीद होने वाले वीर सैनिकों में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत व अग्निवीर वायु दानिश आलम शामिल है। इन पांचों जवानों ने कर्तव्य निभाते हुए देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

भारतीय वायु सेना ने आधिकारिक बयान में कहा कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी गठित कर दी गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि हादसा तकनीकी खराबी, मौसम या किसी अन्य कारण से हुआ।

वायुसेना ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

भारतीय वायु सेना ने इस हादसे में 5 जवानों की मौत की पुष्टि करते हुए सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा- भारतीय वायु सेना को असम के जोरहाट में An-32 विमान दुर्घटना में अपने पांच कर्मियों के खोने का गहरा दुख है। स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर वायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीर वायु दानिश आलम ने ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया दुख

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि असम के जोरहाट विमान हादसे में पांच एयर वॉरियर्स को खोना बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि इन जवानों ने कर्तव्य निभाते हुए देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है और राष्ट्र उनकी वीरता, साहस और सेवा को हमेशा सम्मान के साथ याद रखेगा।

राजनाथ सिंह का पाकिस्तान को सख्त संदेश

कहा, आतंक के संरक्षकों तक नहीं पहुंचने देंगे सिंधु का पानी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
13 जून (एएम नाथ)

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि आतंक के संरक्षकों तक सिंधु नदी का पानी नहीं पहुंचने देंगे। रक्षा मंत्री ने साफ तौर पर कहा कि भारत शांति की भाषा न समझने वालों को जवाब देना अच्छे से जानता है और जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह बंद नहीं करता, तब तक यह जल-बंटवारा समझौता निलंबित ही रहेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैदराबाद में आयोजित एक बुद्धिजीवी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि (IWT) को निलंबित किए जाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से सरकार ने दुनिया को दिखा दिया है कि वह उन लोगों को जवाब देना जानती है जो शांति और सद्भाव की भाषा नहीं समझते हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद, सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित करके हमने यह संदेश दिया था कि जिनके आंसू सूख गए हैं, उन्हें हमसे पानी की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। हम सिंधु नदी का पानी आतंकवादियों और मानवता के दुश्मनों के संरक्षकों तक नहीं पहुंचने देंगे। बता दें कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस घोषणा का पुनरावलोकन है, जिसमें उन्होंने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी प्रणाली की नदियों के जल-उपयोग को लेकर 19 सितंबर, 1960 को ऐतिहासिक सिंधु जल संधि (IWT) पर हस्ताक्षर किए गए थे। हालांकि, पिछले वर्ष पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के बाद भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत एक संप्रभु राष्ट्र के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए, भारत ने इस संधि को तब तक के लिए स्थगित कर दिया है, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को पूरी तरह और विश्वसनीय रूप से बंद नहीं कर देता।

संधियां और जमीनी हकीकत

पहलगाम हमले के बाद से भारत का यह साफ संदेश रहा है कि कोई भी अंतरराष्ट्रीय संधि जमीनी हकीकत और देश की सुरक्षा से अलग रहकर काम नहीं कर सकती। भारत का मानना है कि जब तक पाकिस्तान इस असामान्य शत्रुता और आतंकी गतिविधियों को बंद नहीं करता, तब तक दुनिया का यह सबसे चर्चित जल-बंटवारा समझौता व्यावहारिक रूप से निलंबित ही रहेगा।

पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप फ्रांस में करेंगे मुलाकात

व्हाइट हाउस ने की पुष्टि, कई मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
13 जून (एजेंसी)

व्हाइट हाउस ने शनिवार को पुष्टि की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे, जहां अगले हफ्ते G7 शिखर सम्मेलन होने वाला है। प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस और स्लोवाकिया की एक हफ्ते की यात्रा के लिए रवाना हुए। अपनी रवानगी के समय दिए बयान में प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की रणनीतिक सोच में फ्रांस का एक खास स्थान है। जानकारी के अनुसार PM मोदी ग्रुप ऑफ 7 (G7) शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ द्विपक्षीय वार्ता कर सकते हैं। इस बैठक में व्यापार, वीजा और ऊर्जा सहयोग जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

15 से 17 जून तक फ्रांस के एवियन-लेस-बैंस में आयोजित इस शिखर सम्मेलन में अमेरिका समेत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के नेता और भारत सहित अन्य देशों के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के रणनीतिक नजरिए में फ्रांस का एक खास स्थान है। इस साल की शुरुआत में राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत का दौरा किया था और हमने अपने रिश्तों को विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाया है। इससे पहले शनिवार सुबह, फ्रांस के लिए रवाना होने से पहले मोदी ने कहा कि वह ब्रातिस्लावा में पेलेग्रिनी और प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ बातचीत करने और साथ ही कारोबारी क्षेत्र के दिग्गजों से मिलने के लिए उत्सुक हैं। मोदी फ्रांस से स्लोवाकिया जाएंगे।

पहली बार भारत की 14 बेटियां आर्मी और एयरफोर्स में बनीं अधिकारी

NDA पासिंग आउट परेड में 746 कैडेट्स को मिला कमीशन

» प्रथम न्यूज । देहरादून/हैदराबाद
13 जून (ब्यूरो)

आज का दिन भारतीय सेना और देश की महिलाओं के लिए बड़ा ऐतिहासिक और गौरवशाली है। NDA की परीक्षा करने वाली देश की 14 बेटियां आज एक साल की टफ ट्रेनिंग पूरी कर आर्मी और एयरफोर्स में अधिकारी बनने जा रही हैं। देहरादून के इंडियन मिलिट्री अकादमी (IMA) और हैदराबाद के डुंडीगल एयर फोर्स अकादमी में आयोजित पासिंग आउट परेड के बाद ये सभी 14 बेटियां आर्मी और एयरफोर्स में अधिकारी के तौर पर कमीशन होंगी। यह उपलब्धि इसलिए खास है क्योंकि यह पहली बार हो रहा है। इससे पहले NDA के दरवाजे महिलाओं के लिए बंद थे। जून 2022 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद महिलाओं की NDA

में एंट्री शुरू हुई। देहरादून में IMA की पासिंग आउट परेड में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तो डुंडीगल एयर फोर्स अकादमी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद हैं।

देहरादून के इंडियन मिलिट्री अकादमी (IMA) की पासिंग आउट परेड में 9 महिला कैडेट भारतीय थलसेना में अधिकारी के तौर पर शामिल हो रही है। जबकि हैदराबाद के डुंडीगल एयर फोर्स अकादमी से 5 महिला कैडेट भारतीय वायुसेना में अधिकारी के तौर पर कमीशन होंगी।

746 कैडेट्स को मिला कमीशन

देहरादून और हैदराबाद में चल रहे पासिंग आउट परेड में कुल 746 कैडेट्स को कमीशन मिला है। देहरादून के IMA से 515 तो हैदराबाद के डुंडीगल एयर फोर्स अकादमी से 231 फ्लाइट कैडेट अधिकारी बनने जा रहे हैं।

भारत को मिला ब्रह्मास्त्र

लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल मार गिराएगा, टेस्ट सफल

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
13 जून (एएम नाथ)

डिफेंस सेक्टर में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में आज सुबह-सुबह एक बड़ी खबर तब सामने आई, जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर बताया कि DRDO ने लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों और मध्यम दूरी की एंटी-शिप क्षमता के खिलाफ मल्टी-लेयर्ड सुरक्षा का प्रदर्शन करने के लिए लगातार तीन फ्लाइट टेस्ट सफलतापूर्वक किए गए। रक्षा मंत्री ने इस पोस्ट के साथ तीन मिसाइलों के परीक्षण की तस्वीरें भी साझा की है। रक्षा मंत्री के पोस्ट ने पोस्ट में यह भी लिखा कि DRDO के इस सफल परीक्षण से भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया, जिसके पास इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (ICBM) को रोकने की क्षमता

है। रक्षा मंत्री ने इस सफलता के लिए डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। डीआरडीओ को मिली यह सफलता पड़ोसी देश चीन और पाकिस्तान की टेंशन बढ़ाने वाला है।

इन दोनों देशों के साथ भारत के सीमा सहित कई मुद्दों पर विवाद लंबे समय से है। ऐसे में डीआरडीओ को मिली यह सफलता न केवल दुश्मनों के ठिकानों को तबाह करने वाला है। बल्कि दुश्मन देशों की ओर से होने वाले खतरनाक हमलों को भी रोकने वाला है। भारत की रक्षा अनुसंधान एंव विकास संगठन (Dtim) को मिली इस सफलता के बारे में एक्स पोस्ट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लिखा- DRDO ने देश की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने वाली कई अहम तकनीकों का सफलतापूर्वक टेस्ट किया है, जो दुश्मन के अलग-अलग तरह के खतरों से निपटने में मदद करेंगी।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
पंजाब न्यूज
Website : www.prathamnews.in

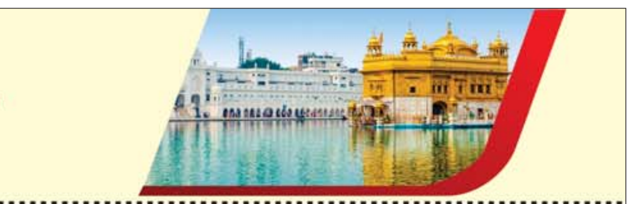

संक्षिप्त न्यूज

सुरभि के अंडर-19 राष्ट्रीय क्रिकेट कैंप से वापिस लौटने पर एचडीसीए ने किया भव्य स्वागत

होशियारपुर (तरसेम दीवाना) - एचडीसीए की युवा होनहार महिला खिलाड़ी व वुडलैंड स्कूल की छात्रा सुरभि नारायण अंडर-19 राष्ट्रीय क्रिकेट कैंप में भाग लेने उपरांत वापिस लौटने पर एचडीसीए ने उसका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर एचडीसीए सचिव डा. रमन घई ने बताया कि सुरभि बैंगलोर में एक माह के राष्ट्रीय कैंप में भाग लेकर लौटी है तथा उसके लौटने पर एचडीसीए के प्रशिक्षक स्टाफ व सुरभि की कोच दविंदर कौर कल्याण ने उनका स्वागत किया। डा. घई ने बताया कि सुरभि होशियारपुर की होनहार खिलाड़ी है और वह जल्द ही राष्ट्रीय व आईपीएल जैसे मैचों में स्थान बनाएगी। उन्होंने बताया कि कैंप में राष्ट्रीय प्रशिक्षकों से उसे क्रिकेट की बारीकियां सीखने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि सुरभि की उपलब्धियों से अन्य युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी और वह क्रिकेट में और भी बढ़िया प्रदर्शन करके होशियारपुर का नाम रोशन करेंगे। इस मौके पर एचडीसीए अध्यक्ष डा. दलजीत खेला, विवेक साहनी, ठाकुर जोगराज, डा. पंकज शिव आदि ने भी सुरभि को लौटने पर बधाई देते हुए शुभकामनाएं भेंट की। इस अवसर पर एचडीसीए की महिला कोच दविंदर कौर, सहायक कोच नितिका कुमारी, जिला कोच दलजीत सिंह, सहायक कोच परवीन कुमार, पंकज पिंका, दिनेश शर्मा, अशोक शर्मा आदि ने भी सुरभि का स्वागत किया।

जीरा विकास परिषद के पदाधिकारियों ने एसएचओ सिटी के साथ बैठक की

जीरा, 13 जून (अंग्रेज बराड़) - जीरा नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष सुखदेव बिट्टू विज, संरक्षक चरणप्रीत सिंह सोनू और महासचिव जगदेव शर्मा के नेतृत्व में जीरा विकास परिषद के पदाधिकारियों और सदस्यों ने जीरा शहर पुलिस स्टेशन के एसएचओ गुरजंत सिंह से औपचारिक मुलाकात की। इस अवसर पर जीरा विकास परिषद के पदाधिकारियों ने एसएचओ गुरजंत सिंह से विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान जीरा विकास परिषद के संरक्षक सुखदेव बिट्टू विज, अध्यक्ष चरणप्रीत सिंह सोनू और महासचिव जगदेव शर्मा ने जीरा शहर में भविष्य में अपने संगठन द्वारा किए जाने वाले जन कल्याण कार्यों के बारे में जानकारी दी, जिस पर एसएचओ गुरजंत सिंह ने उन्हें पुलिस की ओर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर पुष्पिंदर सिंह हैप्पी कोषाध्यक्ष, गुरबख्श सिंह विज सहायक कोषाध्यक्ष, तरसेम लाल जुनेजा चेयरमैन, डॉ. प्रदीप वर्मा स्वास्थ्य प्रोजेक्ट प्रभारी, अनिल बजाज प्रोजेक्ट प्रभारी, रवि कुमार कानूनगो, राम प्रकाश सेवानिवृत्त एसपी, हरप्रीत सिंह लाडी, रिंकू सचदेवा, नरेंद्र कुमार नारंग, बंटी गुलाटी, सुरिंदर कुमार शर्मा जेई, रिपन अरोड़ा सलाहकार, सतीश विज, नरेंद्र सिंह लेक्चरर, डॉ. सुखमीत पीटी, दर्शन मिगलानी, विजय कपूर, संजीव सचदेवा, विनोद ग्रोवर सचिव, प्रताप सिंह हीरा प्रेस सचिव और सोनू गुजराल आदि मौजूद रहे।

पासपोर्ट अप्लाई करते समय रखें खास ध्यान, दस्तावेज को लेकर जारी हुई नई प्रक्रिया

जालंधर, 13 जून (डोगरा)- विदेश मंत्रालय ने नए पासपोर्ट के लिए आवेदन करने वाले नागरिकों को सलाह दी है कि वे अपने महत्वपूर्ण दस्तावेज डी.जी. लॉकर में अपलोड करें ताकि पासपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया को और अधिक तेज एवं सुगम बनाया जा सके। यह जानकारी क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन पासपोर्ट आवेदन भरते समय आवेदकों को डी.जी. लॉकर से संबंधित कॉलम अवश्य भरना चाहिए तथा अपने आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र (वोटर आई.डी.) और पैन कार्ड जैसे दस्तावेज डी.जी. लॉकर में लिंक करने चाहिए। इससे पासपोर्ट सेवा पोर्टल के माध्यम से दस्तावेजों का सत्यापन स्वतः और तेजी से हो जाता है। पासपोर्ट अधिकारी ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति विदेश से भारत आया है और उसके आवश्यक दस्तावेज डी.जी. लॉकर में उपलब्ध हैं तो उसे दस्तावेज सत्यापन में किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। ऑनलाइन प्रणाली सीधे डी.जी. लॉकर में उपलब्ध दस्तावेजों का सत्यापन कर लेती है, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बन जाती है।

उन्होंने बताया कि नए पासपोर्ट के लिए आवेदन करते समय सरनेम (उपनाम) भरने का एक वैकल्पिक कॉलम भी उपलब्ध होता है। हालांकि कई देशों के दूतावास और वीजा जारी करने वाली एजैंसियां पासपोर्ट पर सरनेम दर्ज होना अनिवार्य मानती हैं। ऐसे में यदि आवेदक अपने पासपोर्ट में सरनेम दर्ज करवाते हैं तो भविष्य में वीजा आवेदन और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के दौरान उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने नागरिकों को यह भी सलाह दी कि पासपोर्ट संबंधी किसी भी समस्या, जानकारी या शिकायत के लिए सीधे पासपोर्ट कार्यालय से संपर्क करें। कई बार कुछ एजैंट लोगों को गलत जानकारी देकर गुमराह कर देते हैं, जिससे आवेदकों को अनावश्यक परेशानी और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक ड्यूटियों में लगाकर परेशान करने का आरोप

गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन ने संघर्ष छेड़ने की चेतावनी दी

» प्रथम न्यूज । जालंधर

13 जून (शिव कुमार)

गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन पंजाब के सहायक प्रेस सचिव गणेश भगत, जिला कपूरथला के वरिष्ठ नेता दलजीत सिंह सैणी तथा ब्लॉक फगवाड़ा के वरिष्ठ नेता परमजीत चौहान ने एक बयान जारी करते हुए आरोप लगाया है कि पंजाब सरकार ड्रग सर्वे और सामाजिक-आर्थिक जनगणना के नाम पर शिक्षकों से जबरन गैर-शैक्षणिक ड्यूटी करवा रही है।

उन्होंने कहा कि सरकार अपने राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। एक ओर सरकार द्वारा समाचार पत्रों और अन्य माध्यमों के जरिए सर्वेक्षण के लिए स्वैच्छिक कर्मचारियों की नियुक्ति संबंधी विज्ञापन जारी किए गए थे, वहीं दूसरी ओर अधिकारियों द्वारा शिक्षकों की जबरन ड्यूटियां लगाई जा रही हैं।

यूनियन नेताओं ने कहा कि पंजाब सरकार आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए लोगों से ऐसे प्रश्न पूछ रही है, जिनका संबंध सरकार की योजनाओं और नीतियों से है। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की थी कि किसी भी शिक्षक से गैर-शैक्षणिक कार्य नहीं करवाया जाएगा, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत है और शिक्षकों से लगातार अतिरिक्त कार्य लिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना, बीएलओ (BLO) ड्यूटी, चुनावी ड्यूटी के अलावा ड्रग सर्वे तथा हेल्थ कार्ड बनाने जैसे कार्यों के लिए भी बड़े पैमाने पर शिक्षकों की ड्यूटियां लगाई जा रही हैं। यूनियन ने मांग की कि इन ड्यूटियों को तुरंत बंद किया जाए।

नेताओं का कहना है कि यदि वर्तमान शैक्षणिक सत्र की बात की जाए तो पंजाब में शिक्षा का स्तर प्रभावित हुआ है, जिसका एक बड़ा कारण यह है कि शिक्षक स्कूलों में विद्यार्थियों को पर्याप्त समय नहीं दे पा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप कई अभिभावक अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों से निकालकर निजी स्कूलों में भेज रहे हैं। इस वर्ष सरकारी स्कूलों में दाखिलों की संख्या भी कम रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब सरकार की शिक्षा नीति और तथाकथित शिक्षा क्रांति इसके लिए जिम्मेदार है, क्योंकि शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाकर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब बच्चों के साथ अन्याय किया जा रहा है। यूनियन नेताओं ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों पर भी शिक्षकों की जबरन ड्यूटी लगाने का दबाव बनाया जा रहा है, जिससे शिक्षक वर्ग बेहद परेशान है। उन्होंने कहा कि पंजाब के अन्य विभागों के कर्मचारियों से भी ये कार्य करवाए जा सकते हैं, लेकिन सरकार ऐसा नहीं कर रही। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान, शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस तथा शिक्षा विभाग की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है और इससे शिक्षकों के प्रति सरकार की नीयत स्पष्ट होती है।

इस संबंध में गवर्नमेंट टीचर्स यूनियन पंजाब द्वारा मुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री और शिक्षा सचिव को मांग-पत्र भेजकर शिक्षकों को गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने की मांग की गई है। यूनियन का कहना है कि शिक्षकों का मुख्य कार्य बच्चों को पढ़ाना है।

यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि पंजाब सरकार ने इस संबंध में कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो पूरे राज्य में इसका जोरदार विरोध किया जाएगा और शिक्षक अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने को मजबूर होंगे।

सेंट कबीर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बख्तपुर में नशा जागरूकता एवं रोकथाम लेक्चर का आयोजन

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

13 जून (संदीप सन्नी)

युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति और इसकी लत की चिंताजनक समस्या को दूर करने के लिए, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी (पंजाब राज्य शाखा, चंडीगढ़) के सचिव शिव दुलार सिंह ढिल्लों के कुशल मार्गदर्शन में एक विशेष पहल की गई है। इसके तहत, रेड क्रॉस इंटीग्रेटेड रिहैबिलिटेशन सेंटर फॉर एडिक्ट्स, गुरदासपुर द्वारा सेंट कबीर पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गांव बख्तपुर (गुरदासपुर) में एक प्रभावशाली नशा जागरूकता एवं रोकथाम लेक्चर आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूली विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सचेत करना और उन्हें इस सामाजिक बुराई के खिलाफ प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम की अगुवाई स्कूल के प्रिंसिपल एस.बी. नायर और प्रबंधन समिति के सदस्यों ने की। कार्यक्रम में भारी संख्या में विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे।

नशे के लक्षण और सहायता प्रणालियों पर जोर

इस अवसर पर आईआरसीए गुरदासपुर की टीम से रघबीर सिंह, कोमलप्रीत कौर और आभा शर्मा ने नशे की लत के कारणों और इसके घातक प्रभावों पर एक संक्षिप्त लेकिन बेहद प्रभावशाली लेक्चर दिया।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के शुरुआती लक्षणों को पहचानने, समय पर इस समस्या में हस्तक्षेप करने और सही सहायता प्रणालियों का उपयोग करने के महत्व पर विशेष जोर दिया। टीम ने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार के नशे को न अपनाएं, क्योंकि जितना ज्यादा आप नशे का इस्तेमाल करेंगे, उतनी ही कम आपकी जिंदगी होगी।

250 विद्यार्थियों ने ली नशामुक्त जीवन की शपथ

स्कूल प्रबंधन ने नशामुक्ति केंद्र द्वारा उठाए गए इस व्यावहारिक कदम की भूरि-भूरि प्रशंसा की और रेड क्रॉस टीम का आभार व्यक्त किया। लेक्चर के अंत में एक विशेष शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कुल 250 विद्यार्थियों ने अपने जीवन में कभी भी किसी भी तरह के नशे को हाथ न लगाने और नशामुक्त भारत अभियान के एक्टिव एंबेसडर बनकर समाज को जागरूक करने का दृढ़ संकल्प लिया।

स्पेशल इंटैंसिव रिवीजन-2026 के संबंध में जिला स्तरीय प्रशिक्षण 15 जून को

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

13 जून (संदीप सन्नी)

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार, स्पेशल इंटैंसिव रिवीजन के सफल आयोजन के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय, गुरदासपुर द्वारा 15 जून 2026 को एक दिवसीय जिला स्तरीय ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। एडीसी (जनरल)-कम-एडिशनल जिला निर्वाचन अधिकारी गुरसिमरन सिंह ढिल्लों ने बताया कि यह प्रशिक्षण जिला प्रशासनिक परिसर, गुरदासपुर के बी-ब्लॉक की तीसरी मंजिल पर स्थित कमरा नंबर 416 में होगा।

इस प्रशिक्षण में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के असेंबली लेवल मास्टर ट्रेनर्स, सुपरवाइजर्स, ईआरओ/एईआरओ के तकनीकी व क्लैरिक्ल स्टाफ सहित अन्य तैनात कर्मचारी भाग लेंगे। ट्रेनिंग के दौरान वोटर सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण, डाटा एंट्री, फॉर्मों की जांच और चुनावी प्रक्रियाओं से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

विधानसभा क्षेत्रों के अनुसार प्रशिक्षण का समय व विवरण

- **गुरदासपुर और दीनानगर :** सुबह 9:00 बजे से 10:45 बजे तक (कुल प्रशिक्षार्थी: 116)
- **बटाला और कादियां :** सुबह 10:45 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक (कुल प्रशिक्षार्थी: 114)
- **श्री हरगोबिंदपुर और फतेहगढ़ चूड़ियां :** दोपहर 12:30 बजे से 2:15 बजे तक (कुल प्रशिक्षार्थी :116)
- **डेरा बाबा नानक और जिला निर्वाचन कार्यालय :** दोपहर 3:00 बजे से शाम 4:45 बजे तक (कुल प्रशिक्षार्थी: 85)

एडिशनल जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं कि उनके अधीन आने वाले सभी कर्मचारी निर्धारित समय और स्थान पर ट्रेनिंग में अनिवार्य रूप से शामिल हों। इसके बाद अगले चरण में, ये प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स विधानसभा स्तर पर बूथ लेवल अधिकारियों और बूथ लेवल एजेंटों को ट्रेनिंग देंगे। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स को ट्रेनिंग सामग्री तैयार करने और संबंधित नोडल अधिकारियों को बैठक व अन्य लॉजिस्टिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं।

ब्लड डोनेशन कैंप में 80 यूनिट ब्लड हुआ एकत्रित

मोहाली (जगमीत घुम्मन)- शनिवार को लिवासा हॉस्पिटल, मोहाली में वर्ल्ड ब्लड डोनर डे के मौके पर आयोजित ब्लड डोनेशन कैंप में 80 यूनिट ब्लड एकत्रित हुआ। सीईओ-लिवासा हॉस्पिटल्स , अनुराग यादव ने कहा, डोनेट किए गए ब्लड की हर यूनिट में कई जानें बचाने की ताकत होती है। वर्ल्ड ब्लड डोनर डे पर हम उन वॉलंटरी ब्लड डोनर्स, एनजीओ और मोटिवेटर्स की असाधारण उदारता को सलाम करते हैं, जो अपनी निस्वार्थ सेवा से हेल्थकेयर सिस्टम को मजबूत बना रहे हैं।

फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ अभिषेक गर्ग ने कहा कि वॉलंटरी ब्लड डोनर्स वे गुमनाम हीरो हैं जो बिना किसी स्वार्थ या प्रचार के अपना खून देकर अनमोल जिंदगियां बचाते हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता,पहचान और कम्युनिटी की भागीदारी के ज़रिए हम सब मिलकर यह पक्का कर सकते हैं कि खून की कमी की वजह से किसी मरीज को परेशानी न हो।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना : 25 जरूरतमंद लड़कियों को ब्यूटी एंड वैलनेस कोर्स के सफल प्रशिक्षण के बाद बांटे गए सर्टिफिकेट

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर

13 जून (संदीप सन्नी)

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिला प्रोग्राम अधिकारी जसमीत कौर के कुशल दिशा-निर्देशों और सर्वजन ग्रामीण विकास संस्थान के सहयोग से 25 जरूरतमंद लड़कियों के लिए आयोजित किया गया 1 महीने का ब्यूटी एंड वैलनेस कोर्स सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है। कोर्स के समापन पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सभी लड़कियों को विशेष रूप से सर्टिफिकेट और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस कोर्स को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लड़कियों को हुनरमंद बनाकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना और समाज में आत्मनिर्भर बनाना है, क्योंकि वर्तमान समय की मांग को देखते हुए ब्यूटी एंड वैलनेस क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार की अपार संभावनाएं मौजूद हैं।

समय-समय पर जिला प्रोग्राम अधिकारी ने किया निरीक्षण

संस्था द्वारा सभी लड़कियों को बेहद पेशेवर और बेहतरीन तरीके से कोर्स की बारीकियां सिखाई गईं। प्रशिक्षण के दौरान जिला प्रोग्राम अधिकारी जसमीत कौर ने स्वयं समय-समय पर सेंटर का दौरा किया और लड़कियों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया। कोर्स के अंतिम दिन परीक्षा व प्रशिक्षण पूरा होने के उपरांत सभी होनहार लड़कियों को सर्टिफिकेट और यादगारी चिह्न सौंपे गए।

भविष्य की योजनाओं में भाग लेने के लिए किया प्रेरित : इस विशेष अवसर पर लड़कियों को संबोधित करते हुए जिला प्रोग्राम अधिकारी जसमीत कौर ने कहा कि आज के दौर में लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से बिल्कुल पीछे नहीं हैं, बल्कि वे हर क्षेत्र में आगे बढ़कर पूरी दुनिया में अपनी प्रतिभा और योग्यता का लोहा मनवा रही हैं। उन्होंने उपस्थित लड़कियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उन्हें विभाग द्वारा भविष्य में शुरू की जाने वाली अन्य कल्याणकारी योजनाओं व कोर्सों में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस गरिमामयी समारोह के अवसर पर सर्वजन ग्रामीण विकास संस्थान के अध्यक्ष बूटा राम, मुख्य ट्रेनर मिस भूमिका राजपूत, जिला कोऑर्डिनेटर अंकुश शर्मा, गगनदीप, मिस हरप्रीत कौर, मन्नत महाजन, कमलप्रीत और मनदीप कौर सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

रेसलर्स को बेहतर ट्रेनिंग देने और उनकी प्रतिभा को निखारने पर दिया जाता है जोर : रमन बख्शी

» प्रथम न्यूज । जालंधर

13 जून (डोगरा)

पंजाब रेसलिंग एसोसिएशन (जनरल बॉडी) की ओर से आयोजित एक सम्मान समारोह में राज्य और देश का नाम रोशन करने वाले पहलवानों को सम्मानित किया गया।

समारोह में खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर पंजाब रेसलिंग एसोसिएशन के प्रधान रमन बख्शी ने कहा कि एसोसिएशन का मुख्य उद्देश्य पहलवानों को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनकी प्रतिभा को निखारना है। उन्होंने कहा कि खेलों में सफलता हासिल करने के लिए खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन, आधुनिक प्रशिक्षण और निरंतर अभ्यास की आवश्यकता होती है, जिसे उपलब्ध कराने के लिए एसोसिएशन निरंतर प्रयास कर रही है।

रमन बख्शी ने कहा कि पंजाब के पहलवानों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ऐसे खिलाड़ियों का सम्मान करना न केवल उनकी मेहनत की सराहना है, बल्कि अन्य युवाओं को भी खेलों की ओर आकर्षित करने का एक प्रयास है। समारोह के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। अवॉर्ड सेरेमनी के दौरान पहलवान संदीप सिंह मान और सागर सिंह को 51-51 हजार रुपये का कैश प्राइज और कोच सेहबाना को 21-21 हजार रुपये का कैश प्राइज देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही रेसलर जसप्रीत कौर को 31 हजार रुपये और उनके कोच को 21 हजार रुपये का कैश प्राइज देकर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही इन पहलवानों को हञ्ञ्ञ विंग की तरफ से 31 और 21 हजार रुपये का कैश प्राइज देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर पंजाब स्पोर्ट्स वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन जसकरन सिंह गिल (जस्सा पट्टी) को भी सम्मानित किया गया और उम्मीद जताई गई कि वे पंजाब में कुश्ती का लेवल बढ़ाने में अहम रोल निभाएंगे। इस मौके पर पंजाब की कुश्ती को टॉप पर ले जाने के लिए नई स्ट्रेटेजी बनाई गई, इसके साथ ही पंजाब में अंडर-12 कैटेगरी में मुकाबले करवाने पर भी चर्चा हुई।

इस मौके पर जनरल सेक्रेटरी शहबाज सिंह, ट्रेजरर बिक्रम शर्मा, पंजाब स्पोर्ट्स वेलफेयर बोर्ड के चेयरमैन जसकरन सिंह गिल (जस्सा पट्टी), रेसलिंग एसोसिएशन डिस्ट्रिक्ट जालंधर के प्रेसिडेंट परमजीत सिंह पम्मा, सुरजीत सिंह लल्लियां, मनप्रीत सिंह चड्डा संग ढेसियां, नवदीप सिंह नवी, नरेश सुरजा, एडवोकेट इंदरपाल सिंह, गोपी बसरा के अलावा कोच, खेल प्रेमी, अभिभावक और एसोसिएशन के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

नई नियुक्तियों से शिरोमणि अकाली दल होगा और मजबूत : तलवाड़

संजीव कुमार पिछड़ी श्रेणियों, जसविंदर सिंह व्यापार सेल, परमजीत कौर महिला विंग के हल्का प्रभारी नियुक्त

» प्रथम न्यूज । होशियारपुर

13 जून (तरसेम दीवाना)

शिरोमणि अकाली दल के हल्का प्रभारी संजीव तलवाड़ द्वारा आज होशियारपुर में पार्टी की मजबूती के लिए अहम नियुक्तियों का ऐलान किया गया। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि पार्टी अध्यक्ष सुखबीर बादल के दिशा-निर्देशों के तहत विधानसभा हलका होशियारपुर के विभिन्न विंगों को और सक्रिय करने के लिए यह नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

जिनमें क्रमशः संजीव कुमार (रिटायर्ड जिला वन विभाग अधिकारी) को पिछड़ी श्रेणियों (बीसी विंग) का हल्का प्रभारी। परमजीत कौर शेरगढ़ को महिला विंग से अकाली दल की हल्का प्रभारी। सरदार जसविंदर सिंह छावनी कलां को व्यापार विंग का हल्का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

संजीव तलवाड़ ने बताया कि यह सभी नियुक्तियां तुरंत प्रभाव से लागू होंगी और सभी नए नियुक्त पदाधिकारी अगले 15 दिनों के भीतर अपनी हल्का स्तरीय टीमों का गठन करेंगे।

आगामी विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए संजीव तलवाड़ ने कहा कि चुनावों के मद्देनजर यह बहुत ही महत्वपूर्ण और समय पर किए गए फैसले हैं।

इन नई और मेहनती नियुक्तियों के कारण शिरोमणि अकाली दल होशियारपुर हलके में जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत होगा और पार्टी की लोक-हितैषी नीतियों को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा।

संक्षिप्त न्यूज

ठाकुर परिवार मेधा फेलोशिप के तहत मेधावी विद्यार्थियों को 1.14 लाख की सम्मान राशि वितरित

बिलासपुर,(जितेंद्र गौतम)– राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ऋषिकेश, जिला बिलासपुर में शैक्षणिक सत्र 2025–26 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को ठाकुर परिवार मेधा फेलोशिप के अंतर्गत कुल 1,14,000 की सम्मान राशि प्रदान की गई। यह फेलोशिप विद्यालय के पूर्व छात्र एवं अमेरिका में कार्यरत वैज्ञानिक डॉ. जगदीश ठाकुर द्वारा स्थापित की गई है, जिनका उद्देश्य क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। डॉ. ठाकुर की अनुपस्थिति में उनके छोटे भाई रतन ठाकुर एवं समाजसेविका अच्छरी देवी ने विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कक्षा 12वीं कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को क्रमश: 10,000 तक की सम्मान राशि प्रदान की गई। इसके अलावा कक्षा 10वीं और 8वीं के मेधावी विद्यार्थियों को भी नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। डॉ. जगदीश ठाकुर ने अपने संदेश में कहा कि यह फेलोशिप भविष्य में भी जारी रहेगी ताकि विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रेरणा मिलती रहे। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण का सबसे सशक्त माध्यम है।

इसके अतिरिक्त राजकीय प्राथमिक पाठशाला ऋषिकेश के मेधावी विद्यार्थियों को भी 10,000 की सम्मान राशि प्रदान की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य निर्मल सिंह चंदेल ने डॉ. ठाकुर एवं उनके परिवार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी यह पहल विद्यार्थियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करने वाली अनुकरणीय पहल है। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

न्यू टाउन माधव बस्ती में वीर अर्जुन देव के शहीदी दिवस पर छबील व लंगर का आयोजन

बीबीएन 13 जून (तारा) – न्यू टाउन माधव बस्ती बद्दी में शनिवार को गुरु अर्जुन देव के 420वें शहीदी दिवस पर्व के अवसर पर मीठे पानी की छबील सहित कड़ी चावल का विशाल लंगर आयोजित किया गया। इस आयोजन में स्वयं सेवकों सहित बस्ती के सदस्य अमु सिंह, स्वास्तिक गौतम, विकास, अमित, रमनदीप सिंह ढिल्लो, शौर्य, शिवाय,नवराज, युवराज,सतीश कुमार,शमशेर व मंदीप सिंह, आलू पलू सहित न्यू टाऊन वेलफेयर एसोसिएशन के शांति स्वरूप,सदस्य बलबीर कुमार,,संदीप कुमार शर्मा, फतेह सिंह, अक्षय, मंदीप,नरेश, हर्षित , दक्षित कविता शालू , बेबो ने सहयोग किया। समाजसेवी शांति गौतम ने बताया कि सुबह 10 बजे शुरू हुई छबील के साथ विशाल लंगर हुआ जिसे सैकड़ों लोगों ने ग्रहण किया।

6 साल बीत जाने के बाद भी बाड़ियां व नालका पंचायत के लोगों को नसीब नहीं हुई पुल की सुविधा

पट्टा मेहलोग, 13 जून (तारा) – विकास खंड पट्टा की ग्राम पंचायत बाड़ियां व नालका के गांव मदफल सकराला से निचली रिली खनेंई सड़क पर बालद की सहायक खड़ियाड खड्ड पर पुल न होने की वजह से ग्रामीण परेशान है। आलम यह है कि वर्षा व बरसात के मौसम में नौकरी पेशा लोगों सहित स्कूल व कॉलेजों में जाने वाले छात्रों को जान जोखिम में डाल कर नदी पार कर अपने गंतव्यों के लिए जाना पड़ रहा है। ग्रामिणों ने बताया कि उन्होंने इस सड़क व नदी पर पुल लगाने की मांग उठाई थी व इसके लिए जमीन गिफ्टेड करवाए हुए 6 साल से अधिक का समय हो गया है लेकिन आज तक पूल का काम शुरू नहीं हुआ है। ग्रामीण राजेंद्र कुमार रघुवंशी, महेंद्र कुमार,दिलाराम, नेकराम, हेतराम व लाल चंद का कहना है कि उन्होंने लोक निर्माण विभाग व विधायक के कहने पर ही जमीन गिफ्टेड करवाई थी जिसकी सारी फॉर्मेलिटी पूरी हो चुकी है और फाइल कसौली अधिशासी अभियंता के कार्यालय में पड़ी हुई है ।उन्होंने बताया कि इस बारे 1100 पर कंप्लेंट करने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं हुई है जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने बताया कि गांव मदफल, सकराला, जोहड़ का हाडा के लोगों का आना जाना इस रोड से है ।यह सड़क पुल न होने के कारण बरसात में बंद हो जाती है जिसकी वजह से लोगों को वाया पट्टा या वाया घरेड होकर 30 किलोमीटर दूर से बद्दी के लिए जाना पड़ता है । गांव के ज्यादातर लोग बद्दी औद्योगिक क्षेत्र में काम करते है व उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों ने दून के विधायक चौधरी रामकुमार व लोक निर्माण विभाग से समस्या का समाधान करने की गुहार लगाई है।

मोदी सरकार ने हिमाचल के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन कांग्रेस सरकार अवसरों को उपलब्धियों में बदलने में विफल रही: जे.पी. नड्डा

केंद्र से रिकॉर्ड सहायता, प्रदेश में विकास और सुशासन दोनों मोर्चों पर कांग्रेस सरकार नाकाम

» प्रथम न्यूज । शिमला

13 जून (बी.शर्मा)

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज शिमला स्थित होलीडे होम में आयोजित एक महत्त्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की ऐतिहासिक उपलब्धियों, हिमाचल प्रदेश को प्राप्त अभूतपूर्व केंद्रीय सहयोग तथा प्रदेश की कांग्रेस सरकार की प्रशासनिक विफलताओं और विकास विरोधी कार्यप्रणाली पर विस्तार से प्रकाश डाला।

अपने संबोधन की शुरुआत में श्री नड्डा ने देवभूमि हिमाचल प्रदेश की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ने बार–बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, भारतीय जनता पार्टी की विकासवादी राजनीति तथा सुशासन के मॉडल पर अपना अटूट विश्वास प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि लगातार तीन लोकसभा चुनावों में प्रदेश की सभी चारों सीटें भाजपा की झोली में डालकर हिमाचल की जनता ने स्पष्ट कर दिया है कि वह विकास, राष्ट्रहित और जनकल्याण की राजनीति के साथ मजबूती से खड़ी है।

उन्होंने कहा कि हाल ही में संपन्न पंचायत एवं नगर निकाय चुनावों में भी भाजपा को व्यापक जनसमर्थन प्राप्त हुआ है। यह केवल चुनावी सफलता नहीं, बल्कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार के विरुद्ध जनता का स्पष्ट जनमत–संग्रह (referendum) है। यह जनादेश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही विकास यात्रा पर जनता के विश्वास तथा कांग्रेस सरकार की विफलताओं के प्रति जनता के बढ़ते असंतोष का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश निराशा, नीतिगत पंगुता और नेतृत्वहीनता के दौर से गुजर रहा था। जनता को समस्याएं दिखाई देती थीं, लेकिन समाधान कहीं नजर नहीं आता था। निर्णय लेने की क्षमता कमजोर हो चुकी थी और शासन व्यवस्था दिशाहीन हो गई थी। ऐसे समय में देश ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के रूप में एक दूरदर्शी और निर्णायक नेतृत्व को चुना।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के विकास, पुनर्निर्माण और जनकल्याण के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं छोड़ी है। आपदा

प्रबंधन, आधारभूत संरचना, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा और कनेक्टिविटी सहित हर क्षेत्र में अभूतपूर्व सहयोग दिया गया, लेकिन कांग्रेस सरकार इन अवसरों को जनहित में बदलने में विफल रही है।

आपदा से पुनर्निर्माण तक, हर कदम पर हिमाचल के साथ केंद्र सरकार

श्री नड्डा ने बताया कि वित्त वर्ष 2024–25 में हिमाचल प्रदेश को विशेष सहायता योजना के तहत 2,381 करोड़, NDRF के माध्यम से 2,006 करोड़ तथा बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं के लिए 2,150 करोड़ की अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई।

सड़क, रेल, शिक्षा और ऊर्जा में केंद्र ने किया अभूतपूर्व निवेश

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 40,000 करोड़ से अधिक की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं प्रगति पर हैं। रेलवे क्षेत्र में रिकॉर्ड 2,911 करोड़ का आवंटन किया गया है तथा 13,168 करोड़ की लागत वाली चार प्रमुख रेल परियोजनाओं पर कार्य जारी है। अमृत भारत स्टेशन योजना और वंदे भारत ट्रेन ने प्रदेश की कनेक्टिविटी को नई गति दी है।

IIM सिरमौर, IIIT ऊना, स्मार्ट सिटी मिशन, रेणुका जी बांध और लुहरी परियोजना जैसे अनेक विकास कार्य केंद्र सरकार की हिमाचल के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में ऐतिहासिक निवेश, लेकिन क्रियान्वयन में प्रदेश सरकार पिछड़ी

श्री नड्डा ने कहा कि एम्स बिलासपुर, मेडिकल कॉलेजों, PGI सैटेलाइट सेंटर तथा IGMC शिमला के लिए हजारों करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। JICA समर्थित 1,422 करोड़ की परियोजना के माध्यम से प्रदेश के प्रमुख स्वास्थ्य संस्थानों को अत्याधुनिक सुविधाओं से सशक्त किया जा रहा है। लेकिन उन्होंने कहा कि PM-

ABHIM के तहत स्वीकृत 15 क्रिटिकल केयर ब्लॉकों में से केवल एक ही पूरा हो पाया है। 12 इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब्स में से केवल एक तैयार हुई है और 73 स्वीकृत ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों में से एक भी संचालित नहीं हो सकी है। 15वें वित्त आयोग के तहत स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए स्वीकृत 521 करोड़ में से लगभग आधी राशि खर्च ही नहीं की गई।

बल्क ड्रग पार्क : तीन साल की देरी ने छीने निवेश और रोजगार के अवसर

कांग्रेस सरकार की प्रशासनिक अक्षमता और निर्णयहीनता को उजागर करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार ने 11 अक्टूबर 2022 को ही बल्क ड्रग पार्क परियोजना को स्वीकृति प्रदान कर दी थी, लेकिन प्रदेश सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना को प्राथमिकता नहीं दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सुस्त कार्यशैली और प्रक्रियागत लापरवाही के कारण पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करने में लगभग तीन वर्ष लग गए और यह मंजूरी 25 सितंबर 2025 को जाकर मिली।

श्री नड्डा ने कहा कि यदि प्रदेश सरकार समय रहते आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करती, तो आज हिमाचल प्रदेश देश के फार्मा क्षेत्र में नई पहचान स्थापित कर चुका होता तथा हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो चुके होते। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परियोजना में हुई देरी नहीं, बल्कि विकास के प्रति कांग्रेस सरकार की उदासीनता और अवसरों को गंवाने की प्रवृत्ति का स्पष्ट उदाहरण है।

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने परियोजना के लिए 1,000 करोड़ की अनुदान सहायता स्वीकृत की तथा 225 करोड़ जारी भी किए, लेकिन प्रदेश सरकार केवल 102.13 करोड़ ही उपयोग कर सकी। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार की निष्क्रियता के कारण संभावित निवेश, रोजगार और औद्योगिक विकास को अनावश्यक रूप से पीछे धकेला गया।

मेडिकल डिवाइस पार्क : हिमाचल को राष्ट्रीय विनिर्माण केंद्र बनाने का अवसर गंवाया

श्री नड्डा ने कहा कि 100 करोड़ लागत वाले मेडिकल डिवाइस पार्क को 10 फरवरी 2022 को स्वीकृति मिली थी, लेकिन प्रदेश सरकार अक्टूबर 2024 में स्वयं इस परियोजना से पीछे हट गई। परिणामस्वरूप केंद्र सरकार द्वारा जारी 30 करोड़ की पहली किस्त भी वापस करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए बड़ा झटका साबित हुआ। मेडिकल डिवाइस पार्क प्रदेश को चिकित्सा उपकरण निर्माण के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान दिला सकता था, बड़े निवेश आकर्षित कर सकता था और युवाओं के लिए व्यापक रोजगार के अवसर पैदा कर सकता था।

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार की दूरदृष्टि के अभाव, निर्णय लेने में कमजोरी और विकास विरोधी दृष्टिकोण के कारण हिमाचल प्रदेश एक महत्वपूर्ण औद्योगिक अवसर से वंचित रह गया। यह प्रदेश के विकास के प्रति सरकार की गंभीरता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

'व्यवस्था परिवर्तन' का वादा, लेकिन मिला प्रशासनिक अव्यवस्था का मॉडल

श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले 'व्यवस्था परिवर्तन' का नारा दिया था, लेकिन आज प्रदेश में प्रशासनिक अव्यवस्था, निर्णयहीनता और नीतिगत अराजकता का माहौल है। उन्होंने कहा कि देश में शायद ही कोई ऐसा उदाहरण होगा जहां मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक जैसे महत्वपूर्ण पद अतिरिक्त प्रभार के भरोसे चल रहे हों। यह स्थिति स्वयं बताती है कि कांग्रेस सरकार हिमाचल के प्रशासन को कितनी गंभीरता से ले रही है।

मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए श्री नड्डा ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है मानो मुख्यमंत्री पद भी अतिरिक्त प्रभार के रूप में संचालित हो रहा हो और प्रदेश की वास्तविक बागडोर शिमला के बजाय दिल्ली से रिमोट कंट्रोल द्वारा चलाई जा रही हो।

उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नौकरशाहों पर गंभीर आरोप लग रहे हैं, अधिकारी सार्वजनिक रूप से एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप कर रहे हैं, लेकिन जवाबदेही कहीं दिखाई नहीं देती। यह स्थिति कांग्रेस सरकार की प्रशासनिक विफलता और नेतृत्व संकट को उजागर करती है।

बढ़ता कर्ज, घटती जवाबदेही

श्री नड्डा ने कहा कि CAG रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल प्रदेश पर ऋण का बोझ 1 लाख करोड़ से अधिक हो चुका है। शासन–प्रशासन में समन्वय का अभाव है और विकास परियोजनाएं अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रही हैं।

हिमाचल चाहता है विकास, जवाबदेही और परिणाम

श्री नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता घोषणाएं नहीं, परिणाम चाहती है; बहाने नहीं, जवाबदेही चाहती है; राजनीति नहीं, विकास चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार हिमाचल के विकास और समृद्धि के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

केंद्र ने संसाधनों की कोई कमी नहीं छोड़ी, अब प्रदेश की जनता यह पूछ रही है कि इतने व्यापक सहयोग के बावजूद अपेक्षित परिणाम क्यों दिखाई नहीं दे रहे हैं।

हिमाचल नगर परिषद राजनीति में कांग्रेस का बड़ा दांव

जोगेंद्रनगर में भाजपा का बहुमत भी नहीं आया काम

» प्रथम न्यूज । मंडी

13 जून (एएम नाथ)

राजनीति में खेल आखिरी गेंद तक चलता है। नगर परिषद चुनाव में कई स्थानों पर भाजपा ने मैदान तो मार लिया लेकिन जब अध्यक्ष व उपाध्यक्ष चुनने की बारी आई तो कांग्रेस ने ऐसा खेल खेला कि भाजपा की रणनीति किसी काम नहीं आई। नगर परिषद जोगेंद्रनगर में जनता ने तो बहुमत भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को दिया था लेकिन कांग्रेस की चाल के आगे भाजपा की रणनीति धरी रह गई।

सात सदस्यीय नगर परिषद में भाजपा जीत का दावा करती रही लेकिन प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष जीवन ठाकुर ने ऐसी बिसात बिछाई कि बाजी पलट गई।

अध्यक्ष चुनाव से पहले कांग्रेस में गई भाजपा पार्षद : अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव से ठीक पहले भाजपा समर्थित पार्षद संतोष कुमारी और शिखा कांग्रेस में शामिल हो गईं। निर्दलीय प्यार चंद और गुरध्यान ने भी कांग्रेस का पटका पहन लिया। यहां भाजपा समर्थित चार और तीन निर्दलीय विजयी हुए थे।

कुल्लू में भी बदला भाजपा समर्थितों ने बदला पाला : उधर, कुल्लू नगर परिषद में भी भाजपा अतिआत्मविश्वास का शिकार होती प्रतीत हो रही है।

11 सदस्यीय नगर परिषद में भाजपा और कांग्रेस के तीन–तीन समर्थित सदस्य तथा पांच निर्दलीय विजयी हुए हैं। यहां भी भाजपा समर्थितों ने पाला बदल लिया। इससे भाजपा का गणित बिगड़ गया और यहां भी बाजी कांग्रेस के हाथ लगना तय है।

अब सरकाघाट पर नजर

जोगेंद्रनगर में भाजपा को चित करने के बाद अब कांग्रेस की नजर नगर परिषद सरकाघाट पर है। यहां भाजपा और कांग्रेस समर्थित तीन–तीन सदस्य जीतकर आए हैं। चर्चा है कि यहां भी कांग्रेस खेला करने की तैयारी में है। इस हार के बाद भाजपा कांग्रेस सरकार पर दबाव की राजनीति व सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग का आरोप लगा रही है।

गुल्लरवाला में श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन नंद उत्सव और कृष्ण बाल लीलाओं का वर्णन

» प्रथम न्यूज । बद्दी

13 जून (तारा)

बद्दी उपमंडल के गुल्लरवाला स्थित दुर्गा माता मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन प्रसिद्ध कथावाचक ऋषि गौतम ने श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का रसपान कराया। कथा में नंद उत्सव, पूतना वध, शकटासुर और तृणावर्त वध जैसे प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। उन्होंने बताया कि बाल कृष्ण ने मात्र छह दिन की अवस्था में पूतना का वध कर उसे मोक्ष प्रदान किया था। वहीं शकटासुर और तृणावर्त जैसे असुरों का भी अपनी दिव्य शक्तियों से संहार किया।

कथावाचक ने गर्गाचार्य द्वारा भगवान के नामकरण प्रसंग का भी उल्लेख किया। उन्होंने श्रीकृष्ण की माखन चोरी लीला का महत्व बताते हुए कहा कि भगवान को सांसारिक वस्तुओं से अधिक भक्तों का निष्कपट प्रेम प्रिय है। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य राज कुमार चौधरी सहित क्षेत्र के अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मोदी सरकार ने हिमाचल की तकदीर बदली, प्रदेश में विकास का नया अध्याय लिखा – जे.पी. नड्डा

48 हजार करोड़ की सड़क परियोजनाएं और 668 किलोमीटर फोरलेन निर्माण से बदलेगा हिमाचल का भविष्य

» प्रथम न्यूज । शिमला

13 जून (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने ग्राम पंचायत शोघी के अंतर्गत आयोजित भाजपा हिमाचल प्रदेश के 12 विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर कैथलीघाट से शकराल ग्राम तक 4–लेन एनएच–5 (शिमला बाइपास पैकेज–1) परियोजना के क्षेत्र में पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आज से 12 वर्ष पूर्व किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि हिमाचल प्रदेश में इतने बड़े पुलों, सुरंगों और विश्वस्तरीय सड़कों का निर्माण होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है और विकास कार्य तीव्र गति से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हिमाचल

प्रदेश में लगभग 668 किलोमीटर फोरलेन सड़कों पर कार्य चल रहा है तथा लगभग 48 हजार करोड़ रुपये की सड़क निर्माण परियोजनाएं विभिन्न चरणों में हैं। आने वाले समय में प्रदेश के प्रत्येक जिले को आधुनिक हाईवे और फोरलेन सड़कों से जोड़ा जाएगा, जिससे विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश की तस्वीर और तकदीर बदलने का कार्य किया है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जनता को काम करने वाली और केवल घोषणाएं करने वाली सरकारों के बीच स्पष्ट अंतर को पहचानना चाहिए। विकास कार्य स्वयं इस बात के प्रमाण हैं कि भाजपा सरकार जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, रेल और अन्य आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में जो परिवर्तन आज दिखाई दे रहे हैं, वे मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट नीयत का परिणाम हैं। हिमाचल प्रदेश आने वाले वर्षों में विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

संक्षिप्त न्यूज

लड़की को प्रेम प्रसंग में फंसा कर सोना चांदी आभूषण ऐंठने के मामले में आरोपी काबू

कैथल, 13 जून (कृष्ण गर्ग)– किठाना क्षेत्र के एक गांव से 21 वर्षीय युवती को बहला–फुसलाकर ले जाने तथा सोना चांदी आभूषण ऐंठने के मामले में चौकी किठाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को काबू कर लिया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि किठाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति की शिकायत अनुसार उसकी 21 वर्षीय पुत्री 31 मई की सुबह करीब 9 बजे गांव की लाइब्रेरी जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसके मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई संपर्क नहीं हो सका। घर से लगभग 19 तोले सोना, करीब 250 ग्राम चांदी तथा नकदी भी गायब मिले। उनकी पुत्री को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया है। जिस बारे थाना राजोद में मामला दर्ज कर लिया गया। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के आदेशानुसार चौकी किठाना पुलिस प्रभारी पी एस आई रोहित कुमार की अगुवाई में एचसी राजबीर सिंह की टीम द्वारा आरोपी गांव प्योदा निवासी जसवंत उर्फ जेपी को काबू कर लिया गया। व्यापक पूछताछ दौरान सामने आया कि आरोपी ने स्नैप चैट पर फर्जी आईडी बनाकर लड़की से दोस्ती की। उसे प्रेम जाल में फंसा कर उससे घर से सोना चांदी आभुषण मंगवा कर आभूषण ऐंठने के इरादे से अपने साथ ले गया था। आरोपी पहले से ही शादीशुदा तथा 2 बच्चों का पिता हैं।

आरोपी कुरुक्षेत्र रेलवे स्टेशन पर लड़की से आभूषणों का बैग लेकर लड़की को वहीं छोड़कर मौके से फरार हो गया था। लड़की को 5 जून को पुलिस द्वारा बरामद किया जा चुका है। आरोपी के कब्जे से 19 तोले सोना व करीब 250 चांदी बरामद कर ली गई। आरोपी को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

एंटी नारकोटिक सैल-टू द्वारा 51 ग्राम चरस सहित आरोपी काबू

कैथल, 13 जून(कृष्ण गर्ग)– नशा तस्करों के खिलाफ एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एंटी नारकोटिक सैल–टू की टीम को बड़ी सफलता हासिल हुई है। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 51 ग्राम चरस सहित काबू किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया की एंटी नारकोटिक–टू प्रभारी पीएसआई शनेष कुमार की टीम अपराध रोकथाम हेतु गश्त पर थी। इसी दौरान जाखोली अड्डा कैथल के पास एक विश्वसनीय गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि माडल टाउन कैथल निवासी मनोज डेहा बस्ती कैथल में चरस बेच रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम द्वारा डेहा बस्ती कैथल में जाकर उक्त आरोपी मनोज की तलाश करनी शुरु की तो कुछ समय बाद बताए हुलिए अनुसार एक व्यक्ति डेहा बस्ती के सामने रेलवे दीवार के पास खड़ा दिखाई दिया। जिसको पुलिस टीम द्वारा काबू कर लिया गया, व्यक्ति की पहचान माडल टाउन कैथल निवासी मनोज के रूप में हुई। पुलिस सूचना उपरांत मौके पर पहुंचे नायब तहसीलदार कैथल जसबीर सिंह की मौजूदगी में संदिग्ध की तलाशी ली गई। आरोपी के कब्जे में एक सफेद पॉलिथीन से 51 ग्राम चरस (सुल्फा) बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना शहर में मामला दर्ज करके मौके पर पहुंचे एसआई रमेश कुमार द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा, जिससे पूछताछ की जा रही है।

2 लड़कियां ज्वेलरी शॉप लूटने आई, पकड़ी गई

दुकानदार ने जैसे ही गहने दिखाए, उस पर पेपर स्प्रे मारा, मगर भारी पड़ गया सारा प्लान

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन)– अब लड़कियां भी लूट की वारदात करने लग पड़ी हैं। बिहार के पटना से सामने आई घटना ने सभी को हैरान कर दिया है. यहां 2 लड़कियां एक ज्वेलरी शॉप पर लूट करने पहुंच गईं। लेकिन लूट करने में कामयाब नहीं हो सकीं। दुकानदार की सतर्कता और तेजी से लड़कियों का सारा का सारा प्लान फेल हो गया और वह मौके पर ही पकड़ी गईं। दुकानदार के शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। इस पूरी घटना का वीडियो सामने आया है। जो कि काफी चर्चा में है। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची तो शराब लादे मिला, पुलिस पकड़कर सीधा थाने ले आई। पीठ पर बैग टांगे और मुंह पर मास्क लगाकर ये दोनों लड़कियां ज्वेलरी शॉप में दाखिल हुईं। इसके बाद दुकानदार से जेवरात दिखाने को कहा। इधर जैसे ही दुकानदार ने गहने निकाले और दिखाने शुरू किए। इसी बीच एक लड़की ने गहनों पर ध्यान लगाया और एक इधर–उधर देखती नजर आई। फिर कुछ ही पल में उसने बैग से स्प्रे निकाला और दुकानदार पर छिड़कने लगी। लेकिन लगता है कि दुकानदार पहले ही लड़कियों के आव–भाव से सतर्क था। ऐसे में दुकानदार ने फुर्ती दिखाई और बाहर भागकर लड़कियों को दुकान में बंद कर दिया और आसपास वालों को इकट्ठा कर लिया। इस तरह दोनों लुटेरी लड़कियां पकड़ी गईं और दिमाग में लाखों के जेवर लूटने का प्लान धरा का धरा रह गया। वहीं हैरान करने वाली यह पूरी वारदात दुकान के सीसीटीवी में कैद हो गई, जिसका वीडियो अब सामने आया है और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार की उल्टी गिनती शुरू : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

आप पार्टी लुटेरों की टोली और इनके मुखिया केजरीवाल का भी ईमानदारी का चोला उतरा, आम आदमी पार्टी की सरकार को कानून-व्यवस्था और नशे के मुद्दे पर घेरा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
13 जून (मुकेश डोलिया)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि राज्य में उनकी उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। अबोहर नगर निगम चुनावों में भाजपा की शानदार जीत प्रदेश में आगामी बदलाव की शुरुआत है। अगले विधानसभा चुनाव में पंजाब में भाजपा की सरकार बनेगी , उसके बाद नशा बेचने वाला एक भी व्यक्ति नहीं मिलेगा।

मुख्यमंत्री सैनी शनिवार को पंजाब के अबोहर में आयोजित एक विशाल %ओबीसी महासम्मेलन% को संबोधित कर रहे थे ।

इस दौरान उनके साथ हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा, पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो, पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ और कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में पंजाब की वीर और देशभक्त भूमि को नमन करते हुए यहां के किसानों, व्यापारियों, युवाओं और माताओं के योगदान को सराहा । उन्होंने पंजाब की वर्तमान सरकार द्वारा चलाए गए %युद्ध–नशों के विरुद्ध अभियान को पूरी तरह फेल बताया और कहा कि आदमी पार्टी की सरकार सिर्फ खोखले नारों और विज्ञापनों में व्यस्त है।

उन्होंने पंजाब सरकार को हर मोर्चे पर नाकाम बताते हुए कहा कि महिलाओं को 1,000 रुपए देने की योजना सिर्फ एक राजनीतिक हथकंडा साबित हुई, जिसका अब तक पंजीकरण भी शुरू नहीं हुआ। उन्होंने पंजाब सरकार पर अबोहर के साथ घोर राजनीतिक उपेक्षा का आरोप लगाया और कहा कि इस नगर निगम को मात्र 5 करोड़ रुपए देकर यहां की जनता का अपमान किया गया है, जबकि इससे ज्यादा फंड तो हरियाणा सरकार ने अपने छोटे से छोटे गांव को दिया है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आप पार्टी को अहसास हो चुका है कि अगले विधानसभा चुनाव के बाद पंजाब में उनकी सत्ता नहीं रहेगी इसलिए कुछ लोग दोनों हाथों से पंजाब को लूटने में लगे हुए हैं। उन्होंने आप पार्टी को लुटेरों की टोली बताया और कहा कि इनके मुखिया केजरीवाल का भी ईमानदारी का चोला उतर चुका है।

उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के उस बयान का हवाला दिया जिसमें मान ने पंजाब में 5 साल में 65 हजार नौकरियां देने की बात कही है , इस पर श्री सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 55 हजार नौकरियां तो पिछले एक साल में ही अपने प्रदेश के युवाओं को दे दी हैं।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी और कहा कि पंजाब के लोगों ने भी अगर विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों में विश्वास जताया तो ये सब योजनाएं पंजाब में भी लागू होंगी। उन्होंने आगे कहा कि यही नहीं इस प्रदेश में किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीद कर , फसल खराबे पर उचित मुआवजा देकर और उद्योगपतियों को उनके उद्योगों के अनुकूल माहौल देकर पंजाब को देश में नंबर वन सूबा बनाएंगे। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आगे कहा कि जब से देश की बागडोर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के हाथों में आई है , तब से सामाजिक न्याय को केवल नारे के रूप में नहीं, बल्कि नीति और नियत दोनों के रूप में लागू किया गया है। प्रधानमंत्री स्वयं ओ.बी.सी. समाज से हैं। उन्होंने हमेशा समाज के वंचित, पिछड़े और गरीब वर्गों को मुख्यधारा में लाने का काम किया है।

उन्होंने उदाहरण देकर बताया कि भारतीय जनता पार्टी ने ओबीसी समाज को केवल एक वोट बैंक के रूप में नहीं देखा, उसे नेतृत्व का अवसर देकर सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उनके मंत्रिमंडल में 27 ओ.बी.सी. मंत्री हैं। आज देश के भाजपा शासित 5 राज्यों में ओ.बी.सी. समाज के मुख्यमंत्री हैं। यह पूरे ओ.बी.सी. समाज के गौरव और सम्मान का प्रतीक है।

श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ओ.बी.सी. आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया, यह एक ऐतिहासिक कदम था, जिसने इस समाज को अधिकारों की नई शक्ति प्रदान की। मेडिकल और उच्च शिक्षा में ओ.बी.सी. वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देकर शिक्षा के ?द्वार और अधिक खोले गए। आज देश के विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों में ओ.बी.सी. वर्ग के युवाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने ओबीसी समाज से एकजुट होकर भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने की अपील की और कहा कि आप सब मिलकर पार्टी को पंजाब में मजबूत बनाएं। हरियाणा के लोकनिर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने अपने सम्बोधन में कहा कि उन्होंने इस सम्मेलन की तैयारियों के सिलसिले में कई गांवों में जाने का अवसर मिला है , युवा नशे के दुष्चक्र में फंसे हुए हैं। माताएं , बहनें अपनी पीड़ा को बयां करती हैं तो उनका दु:ख असहनीय दिखाई देता है।

जनता सरकार के बदलाव का इन्तजार कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही पंजाब को इस नशे के दलदल से निकाल सकती है। इस अवसर पर पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लो, पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़, विधायक संदीप जाखड़ एवं गुरबीर सिंह बराड़ , जिला प्रधान सरदार सुखविंदर सिंह कम्बोज समेत अन्य नेताओं ने भी अपने विचार रखे।

CM सैनी ने पत्नी संग चंडीगढ़ में देखी भारत भाग्य विधाता; फिल्म को हरियाणा में टैक्स फ्री करने की घोषणा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
13 जून (मुकेश डोलिया)

अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत की फिल्म भारत भाग्य विधाता हरियाणा में टैक्स फ्री होगी। यह घोषणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को चंडीगढ़ में फिल्म देखने के बाद की। यह फिल्म 26/11 के मुंबई हमले पर की घटना पर आधारित है और प्रधानमंत्री के विकसित भारत संकल्प को भी दिखाती है।

मुख्यमंत्री ने फिल्म को प्रेरणादाई बताते हुए कहा कि ऐसी फिल्में हमें मुसीबत के समय में जिम्मेदारी का अहसास कराती हैं। जैसे हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझेगा तो जल्दी विकसित भारत का लक्ष्य हासिल होगा।

सीएम ने कहा कि देश के नागरिकों को ऐसी मोटिवेशनल फिल्म भी देखनी चाहिए। उन्होंने फिल्म के कोरियोग्राफर लेखक कॉस्टयूम डिजाइनर समेत सभी को भी बधाई दी।

फिल्म स्पेशल स्क्रीनिंग रखी गई थी, जिसमें अभिनेत्री कंगना रनौत भी शामिल रही। उन्होंने फिल्म देखने आने पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत हरियाणा सरकार का धन्यवाद किया। कंगना रनौत ने कहा इस तरह की फिल्मों से देश की महिलाओं महिला कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है।

सीएम के साथ पत्नी समेत ये भी पहुंचे फिल्म देखने

सीएम नायब सिंह सैनी के साथ उनकी धर्मपत्नी सुमन सैनी, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल, श्याम सिंह राणा, राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा, विधायक सतपाल जांबा, रणधीर पनिहार और शक्तिरानी शर्मा समेत कई नेता मौजूद रहे। इसके अलावा हरियाणा के गृह सचिव सुधीर राजपाल, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, वित्तायुक्त सुमिता मिश्रा समेत कई अधिकारी भी फिल्म देखने पहुंचे थे।

राजस्व विभाग से संबंधित लंबित कोर्ट केसों का जल्द से जल्द करे निपटारा : विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, 13 जून (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि राजस्व विभाग से सम्बन्धित लम्बित कोर्ट केसों का निपटारा जल्द से जल्द किया जाए। इन कोर्ट केसों के लंबित होने से आमजन को परेशानी का सामना करना पडता है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा मंगलवार को देर सायं उपायुक्त कार्यालय में अधिकारियों की राजस्व विभाग से सम्बन्धित कार्यों की एक मासिक समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इस बैठक में शाहबाद के विधायक रामकरण काला भी मौजूद थे। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने एसडीएम लाडवा, एसडीएम शाहबाद, एसडीएम पिहोवा, डीआरओ चेतना चौधरी सहित आदि से उनकी कोर्ट में लंबित पड़े मामलों के बारे में फीडबैक ली और मामलों का निपटान कार्य करने के लिए कुछ आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग से सम्बन्धित सभी अधिकारियों को पूरी मेहनत और लगन के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करना होगा ताकि सारे कार्य पारदर्शी तरीके से पूरे हो सके।

इसके साथ ही राजस्व विभाग के अधिकारी सीएम विंडो की शिकायतों को भी गंभीरता से लेकर जल्द से जल्द समाधान करना सुनिश्चित करे। इस मामले में जरा सी भी लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

शूटरों के निशाने पर था कुमार ब्रदर्स !

श्री कुमार मेडिकल स्टोर में दिनदहाड़े फायरिंग, कैशियर की मौत

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
13 जून (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ शहर के पॉश सेक्टर–11 स्थित श्री कुमार मेडिकल स्टोर में शनिवार दोपहर हुई सनसनीखेज फायरिंग ने पूरे दाईसिटी में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। प्रारंभिक जांच और सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार हमलावरों का निशाना कथित तौर पर कुमार ब्रदर्स थे, लेकिन फायरिंग की इस वारदात में श्री कुमार मेडिकल स्टोर के कैशियर की मौत हो गई। घटना में मृतक की पहचान हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रोहड़ू निवासी जानकी दास (45) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार दो युवक ग्राहक बनकर मेडिकल स्टोर के अंदर दाखिल हुए थे। दोनों ने चेहरे पर मास्क और सिर पर टोपी पहन रखी थी, जिससे किसी को उन पर शक नहीं हुआ। दुकान के सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रहा है कि दोनों करीब 21 सेकेंड तक काउंटर के पास खड़े रहे और आसपास के माहौल का जायजा लेते रहे। इसी दौरान उन्होंने काउंटर की आड़ में अपने हथियार लोड किए। इसके बाद एक हमलावर ने काउंटर पर बैठे कैशियर जानकी दास पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। बताया जा रहा है कि ऑटोमैटिक हथियार से एक–दो सेकेंड के भीतर कई राउंड फायर किए गए। फायरिंग के बाद दोनों आरोपी दुकान से बाहर निकले और अपने तीसरे साथी के साथ फरार हो गए, जो बाहर स्कूटी लेकर खड़ा था।

घटना दोपहर करीब 2.30 बजे की बताई जा रही है। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार गोलियों की आवाज से पूरे इलाके में अफरा–तफरी मच गई। घायल कैशियर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसएसपी ट्रैफिक एंड सिक्योरिटी सुमेर प्रताप सिंह ने बताया कि वारदात में कुल तीन आरोपी शामिल थे। दो आरोपी दुकान के अंदर गए थे, जबकि तीसरा बाहर बाहन के साथ मौजूद था। सभी आरोपियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए मास्क और टोपी पहन रखी थी। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस मेडिकल स्टोर में फायरिंग हुई, उससे कुछ ही दूरी पर पुलिस का स्थायी नाका मौजूद है। पीजीआई अस्पताल के नजदीक होने के कारण यह इलाका हमेशा व्यस्त रहता है और यहां मरीजों व उनके परिजनों की भारी आवाजाही रहती है। इसके बावजूद आरोपी दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देकर आसानी से फरार हो गए, जिससे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

घटना के बाद डीएसपी दलबीर सिंह, सेक्टर–11 थाना प्रभारी इंस्पेक्टर जसपाल सिंह, डिस्ट्रिक्ट क्राइम सेल और क्राइम ब्रांच की टीमें मौके पर पहुंची। शहरभर में नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच की जा रही है।

फिलहाल पुलिस सभी एंगल से जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश के लिए कई विशेष टीमें गठित की गई है। शहर में लगातार सामने आ रही फायरिंग की घटनाओं ने कानून–व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गोल्डी ढिल्लों ग्रुप ने ली जिम्मेदारी

सूत्रों के अनुसार इस घटना की जिम्मेदारी कथित तौर पर गोल्डी दिनों ग्रुप ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम सेती है। पोस्ट में सेक्टर–11 स्थित कुमार ब्रदर्स का जिक किया गया है। हालाकि पुलिस इस को की यता और इसके पीछे की मंगा की भी जाय कर सही है।

पुलिस जांच में जुटी

पंचकूला में कुछ दिन पहले कलब संचालक रान लबाना पर हुई फायरिंग और इस घटना के बीच सभावित सबंधों की भी जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार कुमार बदर्श और रतन लबाना के बीच मित्रता की बात सामने आई है। वहीं जमीन और कथित रंगदारी से जुड़े पहलुओं को भी जांग के दायरे में रखा गया है।

बाइक बरामद हुई

जाब के दौरान एक और महत्वपूर्ण सुराग सामने आया है। पुलिस को हमलारी की इस्तेमाल की गई बाइक लेजर वैली क्षेत्र के पास जी बरामद हुई है। अब फोरेंसिक और तकनीकी जांथ के जरिए आरोपियी तक पहुंचने का प्रयास किया जा सा है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
Website : www.prathamnews.in

आज का संपादकीय

विकास के अगले चरण की आवश्यकता

भारत की लोकतांत्रिक एवं आर्थिक यात्रा में 10 जून, 2026 की तिथि एक मील के पत्थर के रूप में अंकित होगी। इसी दिन नरेन्द्र मोदी ने एक कीर्तिमान स्थापित किया, जब निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सबसे लंबा हो गया। उद्योग जगत के लिए यह और महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें नेतृत्व की निरंतरता, नीतिगत स्थिरता और अर्थव्यवस्था की दिशा के प्रति विश्वास जैसे भाव समाहित हैं।

यही वे आधार हैं जिन पर निवेश एवं उद्यम की नींव टिकी होती है। उद्योग जगत के लिए ये 12 वर्ष स्वतंत्र भारत के सबसे अहम वर्षों में रहे। इस दौरान मोदी सरकार ने न केवल महत्वाकांक्षी बुनियादी ढांचे के विकास को साकार रूप दिया है, बल्कि नीतियों को इस प्रकार से आकार दिया, जिससे भारत एक अधिक एकीकृत, अधिक डिजिटल और अधिक प्रतिस्पर्धी आर्थिकी बन गया है।

इन 12 वर्षों की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मोड़ जीएसटी के माध्यम से एकीकृत राष्ट्रीय बाजार के निर्माण का रहा। राज्य स्तर पर विभिन्न अवरोधों को दूर करते हुए जीएसटी ने कंपनियों को लाजिस्टिक्स को सुव्यवस्थित करने और बाजार में तेजी से पहुंचने में सक्षम बनाया। जीएसटी के साथ दिवालियापन एवं ऋण शोधन संहिता ने क्रेडिट बाजारों में अपेक्षित अनुशासन का संचार किया। इसने उधारी के तंत्र को मजबूत किया, वसूली की प्रक्रिया में सुधार किया और आश्वस्त किया कि भारत फंसी हुई परिसंपत्तियों के परिदृश्य को सुव्यवस्थित नियमों के माध्यम से सुलझाने के प्रति गंभीर है। बुनियादी ढांचा इस कार्यकाल का दूसरा प्रमुख स्तंभ रहा है। पिछले 12 वर्षों में भारत ने सड़कों, रेलवे, बंदरगाहों, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी में असाधारण प्रगति की है। राजमार्गों का विस्तार द्रुत गति से हुआ है। रेल लाइनों का व्यापक विद्युतीकरण किया गया है। माल ढुलाई गलियारों का विस्तार हुआ। हवाई अड्डों की संख्या बढ़ी है और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। कम लाजिस्टिक्स लागत, तेजी से माल ढुलाई, छोटे शहरों से बेहतर कनेक्टिविटी और बिजली की निर्बाध एवं भरोसेमंद आपूर्ति जैसे पहलू व्यवसायों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाते हैं। ये पहलू स्थायी विकल्पों की बाट जोह रही वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत को एक आकर्षक विकल्प के रूप में उभारने में मददगार बनते हैं। बुनियादी ढांचे पर यह जोर विनिर्माण आकांक्षाओं को भी परवान चढ़ाता है।

उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और संबंधित नीतिगत पहलों के माध्यम से भारत ने इलेक्ट्रानिक्स, सेमीकंडक्टर्स, फार्मास्यूटिकल्स, आटोमोबाइल, नवीकरणीय ऊर्जा और रक्षा विनिर्माण जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया है। उद्योग जगत ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। घरेलू और विदेशी निवेश ने उन क्षेत्रों में भी गति पकड़ी है, जिनमें पहले भारत पर बहुत दांव नहीं लगाया जाता था।

इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण में वृद्धि, भारत के एक प्रमुख स्मार्टफोन उत्पादक के रूप में उभरना और प्रमुख सेमीकंडक्टर परियोजनाओं का आगे बढ़ना इस बड़े बदलाव का ही प्रतीक है। इसके चलते अब भारत को विनिर्माण और नवाचार के एक उदीयमान गढ़ के रूप में देखा जा रहा है। आज कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पुनर्विचार कर रही हैं। सोर्सिंग रणनीतियों में विविधता ला रही हैं और स्थायित्व से परिपूर्ण ऐसे क्षेत्राधिकारों की राह तलाश रही हैं, जहां वे दीर्घकालिक निवेश कर सकें।

ऐसे माहौल में भारत का विशाल आकार, प्रतिभाओं की भरमार, लोकतांत्रिक संस्थाओं के स्वरूप और सुधारों की गति उसे एक विशिष्ट स्थिति प्रदान करते हैं, लेकिन केवल सही स्थिति में होना ही पर्याप्त नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में सबसे महत्वपूर्ण स्पष्ट संकेत रहा कि सरकार दृढ़ता से निर्णय लेने, समय के साथ सुधारों की निरंतरता बनाए रखने और अपनी नीतिगत मंशा को धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह तैयार है। उद्योग जगत के लिए यह विश्वसनीयता बेहद मूल्यवान है। यह अनिश्चितता को कम करती है और दीर्घकालिक पूंजी निवेश की संभावनाओं को और सुदृढ़ बनाती है।

औद्योगिक विकास पर सामाजिक और आर्थिक समावेशन का व्यापक प्रभाव भी प्रत्यक्ष है। वित्तीय समावेशन, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण प्रणाली, आवास, स्वच्छता और स्वास्थ्य देखभाल पहलों ने औपचारिक अर्थव्यवस्था को विस्तार देने के साथ घरेलू स्थिरता में सुधार किया है। जब अधिक नागरिक बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, कल्याणकारी योजनाओं और बुनियादी सेवाओं से जुड़ते हैं तो अर्थव्यवस्था की कुशलता बढ़ने के साथ ही वह निवेश योग्य भी बनती जाती है। यह व्यापक समावेशन मजबूत मांग का सृजन करता है, उपभोक्ता बाजार को गहराई प्रदान करता है और उद्योग जगत को अधिक आत्मविश्वास के साथ अपना दायरा बढ़ाने के लिए योजनाएं बनाने के लिए उन्मुख करता है। इन वर्षों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन राष्ट्रीय सुरक्षा कवच की मजबूती से जुड़ा है, जो देश की आर्थिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बन गया है। सुरक्षित एवं स्थायित्वपूर्ण परिदृश्य आर्थिक प्रगति के लिए अनिवार्य है, जो निवेशकों एवं उद्योग जगत के भरोसे को बढ़ाता है।

जब विकल्प मिल जाए तो पुराने रिश्ते भुला दिए जाते हैं

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

रिश्ते अब भावना से नहीं, सुविधा से नापे जाते हैं। जब तक किसी से काम निकल रहा हो, तब तक उसकी अहमियत है। जिस दिन बेहतर विकल्प मिल जाए, उसी दिन पुराना साथी बेमानी हो जाता है। यही आज की हकीकत है। आज उसे विकल्प मिल गया, और उसने पुराने दोस्त को इग्नोर कर दिया।

यह कोई नई बात नहीं है। इंसानी स्वभाव में स्वार्थ पहले से रहा है। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले लोग इसे छिपाते थे, अब खुलेआम करते हैं। पहले रिश्ता टूटता था तो कारण बताया जाता था। अब कारण बताने की जरूरत भी नहीं समझी जाती। मैसेज देखा, पढ़ा, और चुप रहे। फोन आया, काट दिया। मुलाकात हुई तो औपचारिकता निभा दी। यही इग्नोर करने का नया तरीका है।

जरूरत और कद्र का रिश्ता सीधा है। जब तक आप किसी पर निर्भर हैं, तब तक वह आपके लिए जरूरी है। आप उसकी बात मानेंगे, उसकी तारीफ करेंगे, उसे अपने पास बिठाएंगे। लेकिन जिस दिन वही काम किसी और से हो गया, उसी दिन आपकी भाषा बदल जाती है। वही इंसान जो कल तक 'भाई' था, आज 'ठीक है' कहकर टाल दिया जाता है। कृतज्ञता एक बोझ लगने लगती है, और उस बोझ को उतारने का सबसे आसान रास्ता है दूरी बना लेना।

विकल्प मिलने पर इंसान की मन:स्थिति बदल जाती है। पहले राहत मिलती है कि अब किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। फिर तुलना शुरू होती है। नया विकल्प तेज लगता है, सस्ता लगता है, प्रोफेशनल लगता है। तीसरा कारण अपराधबोध से बचना है। अगर पुराने दोस्त से बात करूंगा तो उसे लगेगा कि मैं अभी भी उस पर निर्भर हूं। इसलिए बेहतर है बात ही बंद कर दी जाए। यही सोच एक दिन रिश्ते को खत्म कर देती है।

इग्नोर करने के तरीके भी बदल गए हैं। पहले सीधे कह दिया जाता था कि अब साथ नहीं चल सकते। अब कोई सीधे नहीं कहता। बहाने बनाए जाते हैं। 'यार मीटिंग में हूं', 'अभी टाइम नहीं है', 'बाद में बात करते हैं'। वह बाद में कभी नहीं आता। सोशल मीडिया पर अनफॉलो, म्यूट और ब्लॉक का बटन एक क्लिक पर है। बिना किसी बहस के रिश्ता खत्म। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि इग्नोर करने वाला खुद को गलत नहीं मानता। वह कहता है कि मैं आगे बढ़ गया हूं। पर आगे बढ़ने का मतलब पुराने को रौंदना नहीं होता। यह प्रवृत्ति सार्वजनिक जीवन में सबसे ज्यादा दिखती है। राजनीति में एक कार्यकर्ता तब तक जरूरी है जब तक नेता सत्ता में न हो। मंत्री बनते ही वही कार्यकर्ता सचिव के कमरे से आगे नहीं जा पाता। व्यापार में कर्ज लेते समय साहूकार भगवान लगता है। कर्ज चुकते ही उसकी शक्ल देखना पसंद नहीं होता। पत्रकारिता में भी यही होता है। जब तक एक सोर्स एक्सक्लूसिव खबर दे रहा है, वह विश्वसनीय है। जिस दिन दूसरा सोर्स मिल जाए, पहले वाले की खबर भी झूठी लगने लगती है।

जिसे इग्नोर किया जाता है, उसकी मन:स्थिति भी समझने लायक है। पहले उसे लगता है शायद सामने वाला व्यस्त होगा। फिर लगता है शायद नाराज है। धीरे-धीरे समझ आता है कि बात व्यस्तता की नहीं, जरूरत खत्म होने की है। उस वक्त जो चोट लगती है, वह सबसे गहरी होती है। क्योंकि पुराना दोस्त मदद मांगने नहीं आया था। वह सिर्फ पुराने रिश्ते की गर्मी महसूस करने आया था। बदले में उसे सन्नाटा मिला। यह सन्नाटा उसे कड़वा बना देता है। अगली बार जब कोई उसकी मदद मांगेगा, वह भी वही करेगा जो उसके साथ हुआ। इस तरह यह चक्र चलता रहता है।

अब सवाल यह है कि क्या ऐसा करना गलत है। तार्किक रूप से देखें तो गलत नहीं है। हर इंसान को हक है कि वह अपने लिए बेहतर विकल्प चुने। अगर कोई रास्ता तेज और बेहतर है, तो उसे अपनाना समझदारी है। इमोशन में फैसले करने वाले अक्सर नुकसान उठाते हैं। लेकिन नैतिक रूप से दिक्कत तरीके में है। अगर आपको विकल्प मिल गया है, तो कम से कम पुराने दोस्त को साफ बता दीजिए। कह दीजिए कि अब मेरा काम दूसरे तरीके से हो रहा है। तुम्हारा शुक्रिया, तुमने उस वक्त मदद की थी। समस्या इग्नोर करने में नहीं है, समस्या बिना बताए गायब हो जाने में है।

सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है। पहले रिश्ता तोड़ने के लिए आमने-सामने बात करनी पड़ती थी। अब एक क्लिक में अनफॉलो कर दो। बिना सफाई दिए, बिना बहस के। इसलिए आज रिश्ते उतनी ही जल्दी टूटते हैं जितनी जल्दी बनते हैं। दो मिनट में व्हाट्सएप ग्रुप बन जाता है, और दो सेकंड में लीव कर दिया जाता है। सुविधा बढ़ी है, लेकिन भावनात्मक परिपक्वता घटी है। लोग टकराव से बचते हैं, और टकराव से बचने का सबसे आसान तरीका है इग्नोर करना।

इतिहास गवाह है कि जिन लोगों ने पुराने साथियों को भुलाया, वे अंत में अकेले रह गए। चाणक्य ने चंद्रगुप्त को राजा बनाया। जब चंद्रगुप्त को लगा कि अब चाणक्य की जरूरत नहीं, तो उसने दूरी बना ली। अंतिम समय में चाणक्य अकेला रह गया। औरंगजेब ने अपने साथियों को इस्तेमाल किया और बाद में खत्म कर दिया। अंत में उसकी अपनी औलाद ने ही उसे कैद कर दिया। कहानी यही है कि जो रिश्तों की कद्र नहीं करता, रिश्ते भी उसकी कद्र नहीं करते। विकल्प आज है, कल नहीं भी हो सकता। लेकिन जो पुराना दोस्त है, अगर आपने उसे इज्जत से विदा किया है, तो वह कल भी आपके लिए खड़ा मिलेगा।

जीवन में विकल्प जरूरी हैं। बिना विकल्प के इंसान मजबूर हो जाता है। लेकिन विकल्प मिलने पर पुराने को भुला देना कायरता है। अगर आज आपको बेहतर रास्ता मिल गया है, तो पुराने दोस्त को इग्नोर करने की जगह शुक्रिया कहकर अलग हो जाइए। यही तरीका है इज्जत बचाने का। दुनिया गोल है। आज आप ऊपर हैं, कल नीचे हो सकते हैं। आज आपके पास विकल्प हैं, कल शायद न हों। उस दिन वही पुराना दोस्त याद आएगा जिसे आपने इग्नोर किया था। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी।

रिश्तों को सुविधा का हिसाब मत बनाइए। जहाँ से मदद मिली हो, वहाँ कम से कम आभार तो रखिए। क्योंकि इंसानियत की असली परीक्षा तभी होती है जब आपके पास बेहतर विकल्प हो, और फिर भी आप पुराने को याद रखें।

आज उसे विकल्प मिल गया। पुराने दोस्त को इग्नोर कर दिया।

यही सार है इस कहानी का। यही कड़वा सच है इस दौर का।

संस्कृति,साहित्य और सुरों का महापर्व शिमला ग्रीष्मोत्सव

वसुंधरा धर्माणी
घुमारवीं, बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

हिमालय की गोद में बसा शिमला अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरों और समृद्ध सांस्कृतिक परम्पराओं के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। वर्ष भर पर्यटकों से गुलजार रहने वाला यह नगर ग्रीष्म ऋतु के आगमन के साथ एक विशेष उल्लास और उत्साह से भर उठता है। इसी उल्लास को उत्सव का रूप प्रदान करता है 卐अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव卐। यह केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत, लोक कला ,साहित्य और सामाजिक समरसता का जीवंत उत्सव है।

ग्रीष्मोत्सव की शुरुआत शिमला में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान करने की उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ ही यह आयोजन हिमाचल प्रदेश की पहचान बन गया है। वर्तमान समय में यह उत्सव केवल शिमला तक सीमित नहीं है, बल्कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र बन चुका है। इस वर्ष आयोजित ग्रीष्मोत्सव ने अपने विविध आयोजनों के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया कि संस्कृति केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने वाली एक सशक्त कड़ी भी है। प्रशासन द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रबंधन और नवीन प्रयासों ने इस उत्सव को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। विशेष रूप से तीन दिवसीय साहित्यिक संगोष्ठी इस उत्सव का सबसे आकर्षक और सराहनीय आयोजन रही। साहित्यिक संगोष्ठी के प्रथम दिवस हिंदी भाषा को समर्पित कवि सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न रचनाकारों ने अपनी ओजपूर्ण, भावपूर्ण तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कविताओं का पाठ किया। दूसरे दिन पहाड़ी बोली की कविताओं ने वातावरण को अपनी मिट्टी की सौंधी सुगंध से भर दिया। हिमाचल की लोक भाषाओं में रची बसी संवेदनाएं, लोकजीवन की सहजता, प्रकृति के साथ मनुष्य के आत्मीय संबंधों की झलक और समाज में व्याप्त नशे जैसे चिंतनीय विषय पर चिंता भी स्पष्ट दिखाई दी। यह आयोजन केवल कविता पाठ नहीं था, बल्कि अपनी जड़ों और सांस्कृतिक पहचान से जुड़ने का एक भावनात्मक अवसर भी था।

तीसरे दिन आयोजित मुशायरे ने भाषा और साहित्य की विविधता को एक नया आयाम प्रदान किया। शायरों ने प्रेम, मानवीय संवेदना और सामाजिक विषयों तथा जीवन के विभिन्न रंगों को अपने अंदाज में बड़ी खूबसूरती से प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण था कि साहित्य की कोई सीमाएं नहीं होती और शब्द हमेशा दिलों को जोड़ने का कार्य करते हैं।

ग्रीष्मोत्सव का सबसे मनोहारी और आकर्षक पक्ष महानाटी रहा। हिमाचल की लोक संस्कृति का प्रतीक महानाटी केवल नृत्य नहीं, बल्कि प्रदेश की सामूहिक चेतना, एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक है। नाटी में लोगों के चेहरे पर झलकती प्रसन्नता और अपनत्व का भाव यह दर्शा रहा था कि अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का सुख कितना अनमोल होता है।

ग्रीष्मोत्सव की एक अन्य विशेषता स्थानीय कलाकारों और देश के विभिन्न भागों से आए ख्याति प्राप्त गायकों एवं संगीतकारों की शानदार प्रस्तुतियां थी। आधुनिक संगीत और लोक संगीत का यह सुंदर समन्वय श्रोताओं के लिए एक अनूठा अनुभव था। यह उत्सव केवल संगीत और नृत्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह विभिन्न रचनात्मक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का भी केंद्र बना। पुष्प प्रदर्शनी ने प्रकृति प्रेमियों को आकर्षित किया, वहीं पारंपरिक व्यंजनों से सजे स्टॉल प्रदेश की लोक संस्कृति की झलक प्रस्तुत कर रहे थे। बच्चों के लिए मनोरंजन कार्यक्रम और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां उत्सव में चार चांद लगा रही थी।

यह उत्सव पर्यटन उद्योग के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रीष्मोत्सव के दौरान शिमला में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जिससे होटल व्यवसाय, परिवहन सेवाओं, स्थानीय बाजारों और अन्य व्यापारिक गतिविधियों को लाभ मिलता है। यह आयोजन सांस्कृतिक संरक्षण के साथ-साथ आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वर्तमान समय में जब आधुनिकता और वैश्वीकरण के प्रभाव से पारंपरिक जीवन शैली और लोक संस्कृति पर अनेक चुनौतियां मंडरा रही हैं, ऐसे में ग्रीष्मोत्सव जैसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने तथा अपनी लोकभाषा, लोक कला और परंपराओं के प्रति गर्व की भावना विकसित करने का एक प्रभावी माध्यम है। इस वर्ष जिला प्रशासन और विशेष रूप से उपायुक्त शिमला श्री अनुपम कश्यप के नेतृत्व में किए गए प्रयास प्रशंसनीय रहे हैं। साहित्य, संगीत, लोक नृत्य और सांस्कृतिक गतिविधियों को समान महत्व देकर उन्होंने यह संदेश दिया है कि विकास केवल भौतिक संसाधनों से नहीं बल्कि सांस्कृतिक मूल्यों और सामाजिक सहभागिता से भी मापा जा सकता है।

निस्संदेह,, शिमला ग्रीष्मोत्सव केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि हिमाचल की आत्मा का उत्सव है। यह रंगों, सुरों, शब्दों और भावनाओं का ऐसा अनुपम संगम है, जो केवल आंखों को ही नहीं बल्कि मन और आत्मा को भी आनंद से भर देता है। आवश्यकता इस बात की है, कि हम सभी ऐसे आयोजनों में सक्रिय सहभागिता निभाएं और अपनी समृद्ध लोक परम्पराओं को आने वाली पीढियों तक सुरक्षित पहुंचाने का संकल्प लें।

सरकारी अस्पताल सर्पदंश इलाज से परिपूर्ण हों

सुखदेव सिंह
नूरपुर

बरसात का मौसम शुरू होते ही हिमाचल प्रदेश में सर्पदंश की घटनाओं में भी बृद्धि होना चिंताजनक है ।सरकार ने अब इसे भी आपदा मानकर स्वास्थ्य विभाग को इसका कुल आंकड़ा एकत्रित करके भेजनें को कहा है ।प्रत्येक बर्ष बरसात में असंख्य लोग सर्पदंश कारण मौत का ग्रास बन जाते हैँ ।राज्य सरकारें पीड़ित परिवारों को चंद सिक्के राहत के नाम पर बाँटकर इस समस्या से छुट्टी पा लेती हैँ ।हर साल सर्पदंश की घटनाओं में इजाफा हो रहा और सरकारें इस बारे जनता का न तो सही उपचार करवा पा रही हैं ।यही नहीं जागरूकता बगैर अधिकतर लोग सर्पदंश होने पर डर के मारे ही अपने प्राण त्याग देते हैं ।सरकार को सर्पदंश की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जनता को जगरूक करने की अब बहुत अधिक जरूरत है ।सर्पदंश से पीडित होने बावजुद लोग सर्वप्रथम चिकित्सीय इलाज करवाने की बजाए इधर उधर भटक कर खुद मौत का ग्रास बन जाते हैं।

सर्पदंश होने पर जहर एकदम खून में मिलकर फेफड़ो में सूजन ला देता और पीड़ित व्यक्ति की सांस फूलने से मौत हो जाती है ।ऐसे मरीज के साथ सहानुभूति जताते हुए अक्सर उससे बातचीत करते रहना चाहिए ।बरसात शुरू होने बावजूद भी स्वास्थ्य बिभाग कभी सर्पदंश की घटनाओँ पर अंकुश लगाए जाने को लेकर सर्तक नहीं दिखता है ।जिला अस्पतालों को छोड़कर अन्य में एन्टी स्नेक बेनम की बेकसीन उपलब्ध न होने की बजह से कई बार सर्पदंश पीड़ितों को समय पर उपचार न मिलने की बजह से उन्हें बेमौत ही मरना पड़ता है ।जिला स्तरीय अस्पताल करीब सौ किलोमीटर की दुरी पर स्थित होने की बजह से बेकसीन सर्पदंश से पीड़ितों को समय पर मिल पाना आसान काम नहीं है।

यह बेकसीन महंगी और कुछेक निजी दवा खानों में ही उपलब्ध होती इसलिए एक गरीब आदमी का इसे खरीद पाना मुश्किल काम बनकर रह जाता है। सर्पदंश की बजह से मरने बालों के परिवार बालों को सरकारें हजारों रुपये बाद में फौरी राहत के रूप में मदद करके सुर्खियां बटोरती आ रही हैं ।यही धनराशि खर्च करके अगर सभी अस्पतालों में एंटी स्नेक बेनम बेकसीन उपलब्ध करवाई जाए तो कई लोगों की जान बचाई भी जा सकती है ।मगर हैरानी की बात यह कि सरकारों ने पीड़ितों की आर्थिक मदद करने का रिवाज सा बना लिया हुआ है ।अगर समय रहते सभी अस्पतालों में एंटी स्नेक बेनम की बेकसीन खासकर बरसात में मौजूद रहे तो सर्पदंश की घटनाओं पर भी काबू पाकर लोगों को भयमुक्त किया जा सकता है।

कहने को कई एनजीओ और सामाजिक संगठन समाज में कार्य करके अपने आपको बड़ा समाज सेबक कहलाने में एक दूसरे से आगे निकल रहे हैं ।इस तरह की सामाजिक जागरूकता फैलाने में ऐसे लोगों को आगे बढ़ने की जरूरत है ।हिमाचल प्रदेश पहाड़ी राज्य होने की बजह से कभी हरे भरे जंगलों से शोभामान रहा है ।देवभूमि के जंगलों की हालत आजकल के दौर में ऐसी हो चुकी पेड़ पौधे कम और खरपतवार ज्यादा दिखाई देते हैं ।जंगल कभी हरे होने की बजह से जीव,जन्तु इनमें अपने आप को सुरक्षित समझते रहे हैं ।जंगलों में कुल्हाड़ी इस कदर चल रही कि जंगली जानवर अब मैदानी इलाकों की तरफ आ रहे हैं ।यही नहीं जंगलों में जानवरों का अबैध शिकार करने की घटनाओं में भी दिनोंदिन बृद्धि हो रही है ।जंगलों में इस तरह अबैध शिकारियों की और से मचाये जा रहे तांडव कारण भी जीव,जन्तु इंसानों पर आत्मघाती हमले नित नए दिन करते जा रहे हैं। बारह सिंघा, हिरण,बाघ और खूंखार चीते अब लोगों के घरों में घुसने शुरू हो चुके हैं ।गर्मियों में लोग अपनी स्वार्थसिद्धि के लिए बनों को आग लगा देते और ऐसे कई जीव,जन्तु अपनी जान बचाने के लिए खुले में निकलकर लोगों के लिए मुसीबत बन जाते हैं ।बरसात का पानी खड्डों,नालों से होता हुआ डेमों मैं आकर गिरता है ।ऐसे पानी में अक्सर जहरीले सांप बहकर चले आते और बाद में प्रजनन करने के लिए खुले इलाकों का रुख कर जाते हैं ।एक सांप सौ अंडे देता और इनमें से अधिकतर अंडे खुद ही वह खा जाता ऐसा स्वास्थ्य बिभाग ने माना है। धरती ने अपनी गोद में सब कुछ समाकर रखा हुआ है ।गर्मियों में जमीन का तापमान अत्यधिक होने की बजह से जब भी बारिश का पानी जमीन के अंदर बनी गहरी बिलों में जाता तो सांप,विछु वाहर निकलकर लोगों को डसना शुरू कर देते हैं ।ठीक इस तरह बिलों से निकलने बाले जहरीले सांप लोगों के घरों में जाकर सर्पदंश की घटनाओं को अंजाम देते आ रहे हैं ।ऐसे सांप शौचालय, बिस्तर, घरों में खाली पड़े स्थानों में छुप जाते हैं ।किसी अप्रिय घटना घटित होने की सोचे बगैर ही अक्सर लोग सुरक्षा को दरकिनार करके सर्पदंश का शिकार हो जाते हैं।

वरसात का मौसम हर लिहाज से सतर्कता बरतने का होता ताकि कोई अप्रिय घटना घटित न हो सके ।मगर घरों मैं अक्सर महिलाएं लापरवाही बरतती और सर्पदंश का शिकार बनकर रह जाती हैं ।स्वास्थ्य बिभाग का मानना की 95 प्रतिशत सांपों में नाम मात्र का जहर होता जिससे एक इंसान की जान को कोई खास खतरा नहीं हो सकता है ।मगर पांच प्रतिशत सांपो रसेल वाइपर, वाइपर,काला नाग,नागराज,कोरल,कोबरा,एडर, आदि में जहर इतना खतरनाक होता कि अगर सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को जल्दी एन्टी स्नेक बेनम की बेकसीन नहीं चढ़ाई जाए तो उसकी मौत निश्चित हो सकती है। ऐसे जहरीले सांपों की प्रजातियों बारे हर किसी को जानकारी अवश्य होनी चाहिए ।अगर किसी को ऐसा सांप काट खाए तो चिकित्सक को उस सांप की सही पहचान बताकर ही सही बेकसीन चढ़ाकर उसकी कीमती जान बचाई जा सकती है ।हिमाचल प्रदेश को देवभूमि के नाम से जाना जाता है ।देवभूमि में चप्पे चप्पे पर मंदिर बिराजमान हैं ।पहाड़ के लोगों की इन मंदिरों के प्रति विशेष आस्था है ।अक्सर सर्पदंश होने तदोपरांत लोग पीड़ितों को मणि यह सोचकर लगाकर रखते की वह उस जहर को खत्म कर देगी ।लोग घरों में खुद ही काली मिर्चे फुंककर सर्पदंश बाली जगह में लगाकर डॉक्टर बनने की फिराक में रह जाते, नतीजन कई बार पीड़ित की मौत भी हो जाती है ।सर्पदंश से पीड़ित लोग कई दिनों तक मन्दिरों में भूखे प्यासे रहकर भक्ति करके खुद को जहर मुक्त होने की कामना करते हैं ।अगर किसी को जहरीले सांप ने डसा हो तो सर्वप्रथम उसे एन्टी स्नेक बेनम की बेकसीन चढ़ाकर ही बाद में मंदिर में लाया जाना चाहिए ।ऐसे मंदिरों प्रति लोगों की अटूट आस्था सदियों से इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है ।यही बजह की लोग बरसात के दिनों में ऐसे मंदिरों में माथा टेककर उनकी परिक्रमा करके बापिस घरों को लौटते हैं ।लोगों की मंशा की ऐसे मंदिरों में माथा टेकने से वह सर्पदंश से अपने आपको सुरक्षित रख सकते हैं ।सांप का नाम सुनकर ही लोगों के रौंगटे खड़े हो जाते हैं ।सांप की किस नस्ल में अत्यधिक जहर होता इसकी जानकारी आम जनमानस को होना समय की मांग बनता जा रहा है ।सर्पदंश होने पर पीड़ित लोग कई बार जहर से कम और उसके डर से ही ज्यादा मर जाते हैं ।एक जहरीले सांप में नाम मात्र का ही जहर होता जो इंसान की जिंदगी लील लेता है ।बरसात के दिनों में घरों समीप सफ़ाई की व्यवस्था ठीक रखनी चाहिए,बंद कमरों में लाइट जगाकर ही जाना चाहिए,बिस्तर को सही तरह से झाड़कर बिछाना चाहिए ।खेतों में घास काटने से पहले उस स्थान की पूरी जांच करके ही बैठना चाहिए ।अगर कभी कोई सांप काट खाए तो उस जगह को नए ब्लेड से कट लगा देने चाहिए ताकि शरीर के अंदर चढ़ने बाला जहर खून के साथ ही वाहर निकल जाए ।ऐसा करने बाद उस जगह को रस्सी से बांधकर डॉक्टर से उपचार करवाना चाहिए।

जनसांख्यिकीय बदलाव : राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संतुलन की चुनौती

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जनसांख्यिकीय संतुलन केवल जनसंख्या का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक पहचान और आर्थिक संसाधनों से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तनों की जांच के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश देना महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह स्पष्ट संकेत है कि केंद्र सरकार इस विषय को गंभीरता से ले रही है।

पिछले कई दशकों से भारत के विभिन्न सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध घुसपैठ की समस्या बनी हुई है। विशेष रूप से बांग्लादेश और म्यांमार से होने वाली घुसपैठ ने कई राज्यों की सामाजिक और सांस्कृतिक संरचना को प्रभावित किया है। पश्चिम बंगाल, असम, त्रिपुरा, मेघालय तथा अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में जनसंख्या के स्वरूप में आए बदलावों को लेकर समय-समय पर चिंताएं व्यक्त की जाती रही हैं। स्थानीय समुदायों का मानना है कि अवैध प्रवास के कारण उनकी सांस्कृतिक पहचान, भाषाई विरासत और रोजगार के अवसर प्रभावित हुए हैं।

असम इसका प्रमुख उदाहरण है। यहां लंबे समय से अवैध घुसपैठ को लेकर आंदोलन होते रहे हैं। इसी समस्या के समाधान के लिए राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) की प्रक्रिया अपनाई गई थी। हालांकि एनआरसी को लेकर विभिन्न मत हैं, लेकिन यह स्पष्ट है कि नागरिकता और अवैध प्रवास का प्रश्न केवल किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है। यह एक राष्ट्रीय मुद्दा है, जिस पर व्यापक और संतुलित दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

इसी प्रकार रोहिंग्या शरणार्थियों और अवैध प्रवासियों का देश के विभिन्न हिस्सों में बसना भी चर्चा का विषय रहा है। सुरक्षा एजेंसियां समय-समय पर इस बात को लेकर सतर्कता बरतती रही हैं कि कहीं अवैध प्रवास का लाभ असामाजिक या राष्ट्रविरोधी तत्व न उठा लें। इसलिए सीमाओं की सुरक्षा और पहचान संबंधी दस्तावेजों की पारदर्शी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक हो जाती है।

चिंता का एक बड़ा कारण यह भी है कि अवैध रूप से देश में प्रवेश करने वाले कुछ लोग फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और अन्य सरकारी प्रमाण पत्र प्राप्त कर लेते हैं। इससे न केवल प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी उत्पन्न होती हैं। ऐसे मामलों की प्रभावी जांच और रोकथाम के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है।

हालांकि इस पूरे विषय पर चर्चा करते समय मानवीय दृष्टिकोण को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई लोग युद्ध, हिंसा, धार्मिक उत्पीड़न या आर्थिक संकट के कारण अपने देशों को छोड़ने के लिए मजबूर होते हैं। ऐसे मामलों में अंतरराष्ट्रीय मानवीय मूल्यों और राष्ट्रीय हितों के बीच संतुलन बनाना आवश्यक है। भारत की परंपरा हमेशा से जरूरतमंदों को सहायता देने की रही है, लेकिन साथ ही देश की सुरक्षा और कानूनी व्यवस्था सर्वोपरि होनी चाहिए।

जनसांख्यिकीय परिवर्तन का अध्ययन करने वाली उच्चस्तरीय समिति से अपेक्षा है कि वह तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। समिति सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय परिस्थितियों, सामाजिक प्रभावों और सुरक्षा चुनौतियों का मूल्यांकन करेगी। उसकी सिफारिशें भविष्य की नीति निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

अंतत: यह आवश्यक है कि सीमाओं की निगरानी को और मजबूत बनाया जाए, अवैध घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण हो, नागरिकता संबंधी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता आए और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव को भी प्राथमिकता दी जाए। जनसांख्यिकीय संतुलन केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक विविधता को सुरक्षित रखने का प्रश्न भी है।

संक्षिप्त न्यूज

जस्सी गिल और बब्बल राय के नाम रही समर फेस्टिवल की अंतिम सांस्कृतिक संध्या

शिमला,(बी.शर्मा)– अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव–2026 की अंतिम सांस्कृतिक संध्या पंजाबी संगीत जगत के लोकप्रिय कलाकार जस्सी गिल और बब्बल राय के नाम रही। दोनों कलाकारों ने अपनी दमदार प्रस्तुतियों से रिज मैदान पर उपस्थित हजारों दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और समूचे वातावरण को संगीतमय बना दिया।

सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ स्थानीय कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों से हुआ। इसके उपरांत मंच पर पहुंचे प्रसिद्ध पंजाबी गायक एवं अभिनेता जस्सी गिल और बब्बल राय ने अपने लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने एक से बढ़कर एक सुपरहिट गीत प्रस्तुत किए, जिनका दर्शकों ने तालियों और उत्साह के साथ स्वागत किया।

ग्रीष्मोत्सव की अंतिम सांस्कृतिक संध्या में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों एवं पर्यटकों ने भाग लिया। रिज मैदान दर्शकों से खचाखच भरा रहा और लोगों ने देर रात तक प्रस्तुतियों का आनंद लिया। उत्सव के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेल एवं मनोरंजन गतिविधियों तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं ने स्थानीय लोगों और पर्यटकों को आकर्षित किया। ग्रीष्मोत्सव ने हिमाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के साथ–साथ पर्यटन को भी बढ़ावा दिया। अंतिम सांस्कृतिक संध्या के सफल आयोजन के साथ अंतर्राष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव–2026 का भव्य समापन हुआ।

सिरमौर के पच्छाद में ओलावृष्टि व तूफान से टमाटर-शिमला मिर्च की फसलें तबाह, करोड़ों के नुकसान की आशंका

नाहन 13 जून (एएम नाथ) जिला सिरमौर के पच्छाद क्षेत्र में शुक्रवार शाम व शनिवार को हुई बेमौसमी बारिश, तेज आंधी और ओलावृष्टि ने किसानों की मेहनत पर पानी फेर दिया। चंद घंटों में खराब मौसम ने टमाटर, शिमला मिर्च प्लम, आडू और कीवी जैसी नकदी फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि फसलों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है, जिससे उनके सामने रोजी–रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

पच्छाद के सिरमौरी मंदिर, डिंगरी सरजेट, भैलन, डिंगरी धिनी, मढ़ीघाट, जयहर, शाडिया, शौटी, मासरिया और नारग सहित कई इलाकों में बारिश के साथ आए तेज तूफान और ओलावृष्टि ने खेतों में खड़ी फसलों को बुरी तरह प्रभावित किया। किसानों के अनुसार टमाटर और शिमला मिर्च के पौधों की टहनियां टूट गई हैं और कई जगह फसल पूरी तरह बिछ गई है। वहीं, शिमला मिर्च और टमाटर भी खेतों में झड़ गए। डिंगरी सरजेट के प्रताप सिंह, जितेंद्र ठाकुर और योगेंद्र सिंह, डिंगरी धिनी के कुलदीप ठाकुर, शौटी के हितेंद्र सिंह और वीरेंद्र सिंह तथा शाडिया के नरदेव ठाकुर सहित अन्य किसानों ने बताया कि टमाटर और शिमला मिर्च इस क्षेत्र की प्रमुख नकदी फसलें हैं। एक किसान इन फसलों के एक सीजन पर लाखों रुपए खर्च करता है। तीन से चार माह पहले लगाई गई फसल अब उत्पादन के चरण में पहुंच रही थी, लेकिन बेमौसमी बारिश, तेज हवाओं और ओलों ने फसलों को भारी नुकसान पहुंचा दिया। किसानों का कहना है कि कई परिवारों की सालभर की आय इन नकदी फसलों पर निर्भर रहती है। ऐसे में मौसम की इस मार ने उनकी चिंता को बढ़ा दी है। प्रभावित किसानों ने कृषि विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का आकलन किया जाए और उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छता को बनाया जन आंदोलन : जगत प्रकाश नड्डा

» प्रथम न्यूज । शिमला
13 जून (बी.शर्मा)

डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की सफाई कर किया माल्यार्पण, स्वच्छता का दिया संदेश

स्वच्छ भारत अभियान ने देश में नई सोच और जनभागीदारी की संस्कृति विकसित की

शिमला 13 जून 2026 भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज शिमला के चौड़ा मैदान में आयोजित स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की सफाई की तथा उन्हें माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को केवल एक सरकारी कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे देशव्यापी जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच और नेतृत्व के कारण आज देश का प्रत्येक नागरिक स्वच्छता के महत्व को समझ रहा है तथा इसमें अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान ने देश में एक नई सोच का निर्माण किया है। पहले स्वच्छता को लेकर जिस प्रकार की उदासीनता देखने को मिलती थी, वह अब बदल चुकी है। आज समाज के सभी वर्ग, युवा, महिलाएं और आम नागरिक स्वच्छता के प्रति जागरूक होकर इस अभियान से जुड़ रहे हैं। यही कारण है कि स्वच्छता अब केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व बन चुकी है।

श्री नड्डा ने कहा कि जब भी सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलता है तो भाजपा कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि स्वच्छता अभियान से जुड़कर समाज को सकारात्मक संदेश देने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि शिमला प्रवास के दौरान चौड़ा मैदान स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा की सफाई करना और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करना उनके लिए गौरव का विषय है।

बाबा साहेब ने देश को संविधान के रूप में अमूल्य धरोहर प्रदान की और उनके आदर्शों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है।

उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस अवसर पर सांसद श्री सुरेश कश्यप, सांसद डॉ. सिकंदर कुमार, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री श्री सिद्धार्थन, भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं महापौर श्रीमती पायल वैद्य, भाजपा नेत्री श्रीमती डेसी ठाकुर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हनुमान जी का आशीर्वाद लेकर देश की प्रगति और प्रधानमंत्री मोदी की दीर्घायु की कामना की : जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जाखू मंदिर में की विशेष पूजा-अर्चना

» प्रथम न्यूज । शिमला
13 जून (बी.शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज शिमला स्थित विश्व प्रसिद्ध जाखू मंदिर में भगवान हनुमान जी के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर श्री नड्डा ने भगवान हनुमान जी की विधिवत पूजा–अर्चना की तथा देश की समृद्धि, विकास और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की भाजपा सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विशेष पूजा–अर्चना करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए मंगलकामना की।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। देश

आत्मनिर्भरता, वैश्विक प्रतिष्ठा और जनभागीदारी के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ देश को निरंतर आगे बढ़ा रही है। उन्होंने भगवान हनुमान जी से प्रार्थना की कि देश निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे तथा भारत विश्व में और अधिक गौरव प्राप्त करे। इस दौरान मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी श्री नड्डा का स्वागत किया तथा उनके साथ देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की।

संस्कारों से ही होगा समृद्ध भारत का निर्माण : पुरुषोत्तम शर्मा

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
13 जून (जितेंद्र गौतम)

बरठीं के समीप स्थित नव दुर्गा माता मंदिर खरोटा में एकल श्री हरि संस्कार शिक्षा नव चेतना वर्ग, सम्भाग उत्तर हिमाचल द्वारा आयोजित 15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में शिवा इंटरनेशनल कॉलेज एवं आयुर्वेद महाविद्यालय चांदपुर के प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन तथा श्री हनुमान चालीसा पाठ से हुआ। इस अवसर पर संस्कार समिति ने मुख्य अतिथि का हिमाचली टोपी और माता की चुनरी भेंट कर स्वागत किया।

अपने संबोधन में पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि किसी भी संगठन के विकास और मजबूती के लिए प्रशिक्षण शिविर अत्यंत आवश्यक होते हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को अच्छे संस्कार देने का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान तकनीकी युग में सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और नशे जैसी बुराइयों से बच्चों को बचाना आवश्यक है। संस्कारयुक्त शिक्षा ही समृद्ध और सशक्त भारत के निर्माण का आधार बन सकती है।

उन्होंने अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए इसे भारतीय संस्कृति और आस्था का प्रतीक बताया। शिविर के सफल संचालन के लिए उन्होंने अपनी ओर से 5100 रुपये की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की। कार्यक्रम में विभिन्न पदाधिकारियों और स्वयंसेविकाओं ने एकल अभियान की गतिविधियों की जानकारी दी तथा आयोजन की सफलता पर शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

पर्यावरण-अनुकूल विकास ही हिमाचल की सुरक्षा और समृद्धि का आधार : आरती देवी

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर
13 जून (जितेंद्र गौतम)

पूर्व प्रधान महिला मंडल नघियार आरती देवी ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ–साथ भौगोलिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील राज्य भी है। पिछले कुछ वर्षों में प्रदेश ने भूस्खलन, बादल फटने और अचानक आई बाढ़ जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का सामना किया है। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण, प्रभावी आपदा प्रबंधन और सतत विकास राज्य की आवश्यकता बन गए हैं। उन्होंने बताया कि जलवायु परिवर्तन के कारण अत्यधिक और अनियमित वर्षा की घटनाएं बढ़ रही हैं। वहीं, सड़कों के चौड़ीकरण और विभिन्न परियोजनाओं के लिए की जा रही अवैज्ञानिक पहाड़ी कटाई भी भूस्खलन की घटनाओं को बढ़ावा दे रही है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए राज्य सरकार आपदा के बाद राहत देने के बजाय आपदा पूर्व तैयारी और लचीले विकास मॉडल पर कार्य कर रही है। आरती देवी ने कहा कि 2,688 करोड़ रुपये की लागत वाला HP-READY प्रोजेक्ट ग्रामीण स्तर तक आपदा प्रबंधन की तैयारियों को मजबूत करेगा। इसके साथ ही आईआईटी मंडी के सहयोग से संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन चेतावनी सेंसर लगाए जा रहे हैं। डिजिटल तकनीक और स्कूल सुरक्षा प्रबंधन प्रणालियां भी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण, हरित शहरों का विकास, ठोस कचरा प्रबंधन, जल संरक्षण और सूक्ष्म सिंचाई जैसी योजनाएं सतत विकास को गति देंगी। आरती देवी ने जोर देकर कहा कि वैज्ञानिक ढंग से निर्माण कार्य, ढलान इंजीनियरिंग और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी से ही हिमाचल प्रदेश सुरक्षित, लचीला और समृद्ध भविष्य की ओर बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन ही प्रदेश की वास्तविक प्रगति का आधार है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भाजपा का कार्यक्रम, उपलब्धियां गिनाईं

आत्मनिर्भर भारत से नारी शक्ति वंदन तक, 12 वर्षों की उपलब्धियों पर चर्चा, देश को नई दिशा देने वाली है मोदी सरकार : जय सिंह

» प्रथम न्यूज । चम्बा
13 जून (एएम नाथ)

केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जय सिंह ने की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मोदी सरकार की विभिन्न उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख किया।

जय सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार ने आत्मनिर्भर भारत, बेहतर कनेक्टिविटी, औद्योगिक विकास, ग्रामीण उत्थान और जनहितकारी योजनाओं के माध्यम से देश को नई दिशा देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि एक दशक से अधिक के कार्यकाल में सरकार ने कई ऐसे ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका देश की राजनीति, समाज और अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में 5 अगस्त 2019 को जम्मू–कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत प्राप्त विशेष प्रावधानों को समाप्त कर ऐतिहासिक कदम उठाया। इसके साथ ही जम्मू–कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त हो गया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 में संसद से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित कराया गया, जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ। जय सिंह ने कहा कि जनवरी 2019 में आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के लोगों के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भी लागू किया गया। इसके अलावा कोविड–19 महामारी के दौरान शुरू की गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, ईसाई और पारसी समुदाय के लोगों को नागरिकता देने का प्रावधान किया गया है। कार्यक्रम में जय सिंह ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का भी उल्लेख किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर निर्माण से लेकर प्राण प्रतिष्ठा तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सरकार के इन निर्णयों और योजनाओं ने देश के विकास को नई गति प्रदान की है तथा भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत पहचान दिलाने में योगदान दिया है।

बोहरी की कुश्ती प्रतियोगिता में विधायक हरदीप बावा ने की मुख्य अतिथि शिरकत

» प्रथम न्यूज । बद्दी
13 जून (गुरजीत सिंह)

बोहरी कुश्ती दंगल कमेटी की ओर से कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें हिमाचल प्रदेश और बिहार सहित विभिन्न राज्यों के पहलवानों ने भाग लेकर अपने शानदार दांव–पेच का प्रदर्शन किया। छोटी माली की कुश्ती साहिल कोटला और मोनू ऊना हॉस्टल के बीच हुई, जो बराबरी पर समाप्त हुई। वहीं सुमित ऊना हॉस्टल ने पीटी कैथल को पराजित कर जीत हासिल की।

स्पेशल कुश्तियों में बंटी श्री नैना देवी ने गोगी करनाल को हराया। शिवम बिलासपुर और संदीप हरियाणा के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा। नवीन मंडी ने मोंटी करनाल को पराजित किया, जबकि छोटी चंडी की कुश्ती भी बराबरी पर समाप्त हुई।

कुश्ती प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में नालागढ़ के विधायक हरदीप सिंह बावा ने शिरकत की। उन्होंने विजेता और उपविजेता पहलवानों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कुश्ती हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति का प्रतीक है। युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर ऐसे आयोजनों में बढ़–चढ़कर भाग लेना चाहिए। इस अवसर पर हेमराज, अवतार सिंह, बेली राम, संजीव कुमार, राम लाल, कमलजीत, हेमराज ठाकुर, बलवंत सिंह, जरनैल सिंह, जैमल सिंह, विक्की, परमजीत सहित बोहरी दंगल कमेटी के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब बद्दी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में करीब 100 यूनिट रक्त एकत्रित

» प्रथम न्यूज । बद्दी
13 जून (गुरजीत सिंह)

रोटरी क्लब बद्दी द्वारा फ्रेसेनियस काबी ऑन्कोलॉजी, किशनपुरा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में फ्रेसेनियस काबी के कर्मचारियों एवं रोटरी क्लब बद्दी के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिसके परिणामस्वरूप करीब 100 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस शिविर का उद्देश्य रक्त की आवश्यकता वाले मरीजों की सहायता करना तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर में रोटरी क्लब बद्दी के सदस्यों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित किया। रोटरी क्लब बद्दी के असिस्टेंट गवर्नर कार्तिक शर्मा एवं सचिव संजीव वर्मा ने भी रक्तदान किया।

विशेष रूप से, संजीव वर्मा ने 38वीं बार रक्तदान कर समाज सेवा के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता का परिचय दिया। रोटरी क्लब बद्दी ने फ्रेसेनियस काबी ऑन्कोलॉजी प्रबंधन एवं कर्मचारियों का इस सफल आयोजन में सहयोग और सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया। क्लब ने भविष्य में भी ऐसे जनहित एवं मानव सेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प दोहराया। शिविर में रोटरी एंड ब्लड बैंक सोसाइटी रिसोर्स सेंटर सेक्टर 37 चंडीगढ़ की टीम ने डॉ रोहली अग्रवाल की अगुवाई में यह रक्त एकत्रित किया डॉ रोहली अग्रवाल ने रक्त के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर संजीव वर्मा,कार्तिक शर्मा और अन्य कम्पनी के प्रबधक कामगार आदि मौजूद रहे।

शुभमन गिल की कप्तानी पारी, भारत ने अफगानिस्तान को दी करारी शिकस्त

शुभमन गिल (84) की कप्तानी पारी की बदौलत भारतीय टीम ने शनिवार को धर्मशाला के HPCA स्टेडियम में खेले गए पहले वनडे में अफगानिस्तान को 7 विकेट से मात दी। बारिश के कारण मैच 25-25 ओवर का खेला गया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान टीम रहमानुल्लाह गुरबाज के शतक के बाद भी 24.5 ओवर में 194 रन पर ढेर हो गई। 195 रन के लक्ष्य को टीम इंडिया ने 22.5 ओवर में 3 विकेट खोकर चेज कर लिया।

धर्मशाला में दिन भर रिमझिम बारिश का दौर चला लेकिन सांझ (5:15 बजे टॉस, 5:45 बजे मैच शुरू) के वक्त एचपीसीए के मैदान पर भारत और अफगानिस्तान के बीच वनडे मैच शुरू हो गया। तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। सुबह से हो रही बारिश के कारण टॉस में तीन घंटे 45 मिनट की देरी हुआ।

धर्मशाला के स्टेडियम में सबसे तेज अर्धशतक व शतक बनाने का रिकॉर्ड अफगानिस्तान के सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज ने अपने नाम किया। 25 गेंद में रहमानुल्लाह गुरबाज ने अपने 50 रन पूरे कर अर्धशतक जड़ा। वहीं 48 गेंदों में आठ चौके व आठ छक्कों की मदद से अपना शतक भी पूरा किया। धर्मशाला स्टेडियम में यह सबसे तेज शतक है। वहीं भारत के हर्ष दुबे और गुरनूर बराड़ ने डेब्यू मैच में लिए तीन-तीन विकेट लिए।

लड़खड़ाती पारी को बेहतर स्थिति में पहुंचा

अफगानिस्तान के गुरबाज ने शनिवार को शानदार बल्लेबाजी का नजारा प्रस्तुत करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। उन्होंने 102 रन की पारी खेलकर अफगानिस्तान की लड़खड़ाती पारी को बेहतर स्थिति में पहुंचा दिया। अफगानिस्तान के इस अनुभवी बल्लेबाज ने मैदान के चारों और शॉट्स लगाकर दर्शकों को भरपूर मनोरंजन किया। गुरबाज की ही बदौलत अफगानिस्तान ने 25 ओवर में भारत के सामने जीत के लिए 195 रन का लक्ष्य रखा है। उनके अलावा शाहिदी ने 27 और ओमरजई ने 26 रन बनाए। टीम के अन्य कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के आगे अधिक देर तक टिक न सका।

गुरनूर ने की कसी हुई गेंदबाजी

अफगानिस्तान के प्रारंभिक बल्लेबाज गुरबाज और इब्राहिम जादरान बल्लेबाजी करने उतरे। अर्शदीप के पहले ओवर में 11 रन आए। दोनों ही बल्लेबाज खुलकर खेलने के प्रयास में थे लेकिन दूसरे ओवर में गुरनूर बरार ने बेहद कसी हुई गेंदबाजी करते हुए पांचवीं गेंद पर इब्राहिम जादरान को शुभमन गिल के हाथों कैच आउट करवाकर जहां अपने अंतरराष्ट्रीय वनडे करियर का पहला विकेट लिया। वहीं अफगानिस्तान की बड़े स्कोर की उम्मीदों को भी झटका दे दे दिया। इस ओवर में बरार ने एक विकेट लेने के अलावा महज दो रन खर्च किए। तीसरे ओवर की तीसरी गेंद पर अर्शदीप ने अफगानों को एक और झटका देते हुए एस अटल को पगबाधा आउट कर दिया। इस तरह तीन ओवर में अफगानिस्तान का स्कोर दो विकेट पर 17 रन था। युवा गुरनूर ने दूसरे ओवर में भी कसी हुई शुरुआत की लेकिन अंतिम गेंद पर अफगानिस्तान के वरिष्ठ और अनुभवी बल्लेबाज गुरबाज ने छक्का जड़कर रन गति को तेज करने का सफल प्रयास किया। धर्मशाला के सुहावने मौसम में गुरबाज धीरे-धीरे भारत के लिहाज से खतरनाक नजर आ रहे थे। दोएक रन के बीच में कमजोर गेंद को बाउंड्री भी दिखाने का मौका नहीं जाने दे रहे थे।

फीफा वर्ल्ड कप

अमेरिका ने धमाकेदार जीत के साथ किया आगाज

पराग्वे को एकतरफा मुकाबले में 4-1 से हराया

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सह-मेजबान अमेरिका ने टूर्नामेंट का आगाज धमाकेदार जीत के साथ किया है। एकतरफा मुकाबले में अमेरिका ने पराग्वे को 4-1 से शिकस्त दी।

अमेरिका की ओर से फोलारिन बालोगुन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो गोल किए। अमेरिका की टीम पूरे मैच में हावी नजर आई और पराग्वे को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। अमेरिका के लिए मैच की शुरुआत शानदार रही। मुकाबले के सातवें मिनट में ही अमेरिका ने 1-0 की बढ़त बना बना ली। डेमियन बोबाडिला ने पराग्वे के डिफेंस को भेदते हुए बेहतरीन गोल दागा।

मैच के 31वें मिनट में फोलारिन बालोगुन ने अमेरिका की बढ़त को दोगुना कर दिया। फोलारिन की शानदार स्किल्स के सामने पराग्वे का डिफेंस पूरी तरह से बेबस दिखाई दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में फोलारिन का एक बार फिर दमदार खेल देखने को मिला और उन्होंने अमेरिका को मुकाबले में 3-0 से आगे कर दिया। पहले हाफ में ही अमेरिका की जीत लगभग पक्की हो गई।

हालांकि, दूसरे हाफ में पराग्वे ने आक्रामक खेल दिखाया और वापसी करने का प्रयास किया। टीम को मैच के 73वें मिनट में सफलता हाथ लगी। पराग्वे के सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी मॉरीसियो ने पराग्वे के लिए मैच में पहला गोल दागा।

इसके बाद अमेरिका ने अपने खेल में आक्रामता बढ़ाई और पराग्वे के डिफेंस पर लगातार दबाव डाला। काफी प्रयास करने के बावजूद भी पराग्वे की टीम को गोल करने में सफलता हाथ नहीं लगी।

निर्धारित 90 मिनट के बाद स्टॉपेज टाइम में गियोवानी रेयना ने अमेरिका की बढ़त को 4-1 कर दिया। उन्होंने मैच की आखिरी सीटी बजने से ठीक पहले पराग्वे के डिफेंस को एक बार फिर भेदा और अमेरिका की दमदार जीत पर मुहर लगा दी। फोलारिन बालोगुन 1930 के बाद फीफा वर्ल्ड कप में दो गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने। इस जीत के साथ ही अमेरिका ने टूर्नामेंट का आगाज शानदार अंदाज में किया है और टीम इस लय को आने वाले मुकाबले में भी बरकरार रखना चाहेगी।

वैभव सूर्यवंशी की राह पर छोटे भाई आशीर्वाद : स्थानीय मैच में जड़ा शतक, चौकों की कर दी बरसात; एक छक्का भी लगाया

भारतीय टीम के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अपने बल्ले से दमदार पारियां खेल रहे हैं। वैभव की प्रतिभा हाल ही में सभी ने आईपीएल 2026 में देखी थी, जहां उन्होंने दिग्गज गेंदबाजों के सामने निडर होकर बल्लेबाजी की।

अब उनके छोटे भाई आशीर्वाद सूर्यवंशी भी उन्हीं की राह पर चल दिए हैं। आशीर्वाद ने बिहार के समस्तीपुर में एक स्थानीय मैच के दौरान अपना दम दिखाया और शतकीय पारी खेली।

धैर्य और सूझबूझ से की बल्लेबाजी : आशीर्वाद ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की और 87 गेंदों पर 103 रन बनाए। ताजपुर क्रिकेट अकादमी के लिए खेलते हुए आशीर्वाद ने 118.39 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की और अपनी पारी में 20 चौके और एक छक्का लगाया। दिलचस्प बात यह है कि जहां वैभव पहली ही गेंद से आक्रामक होकर खेलते हैं, उनके छोटे भाई आशीर्वाद इससे उलट हैं। आशीर्वाद ने धैर्य का परिचय देते हुए सूझबूझ से बल्लेबाजी की। आशीर्वाद की पारी का अंत प्रशांत राज ने किया।

वैभव ने दी बधाई : आशीर्वाद की

पारी देखकर वैभव सूर्यवंशी भी गदगद हो गए और उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्टोरी पोस्ट कर आशीर्वाद को बधाई दी। इतना ही नहीं, वैभव के भाई उज्ज्वल ने भी सोशल मीडिया पर आशीर्वाद की पारी के बारे में पोस्ट किया। उज्ज्वल ने मैच की तस्वीरें और स्कोरकार्ड पोस्ट कर बताया कि आशीर्वाद ने अपने करियर का पहला शतक लगाया है।

वैभव को पहली बार मिला सीनियर टीम में मौका : मालूम हो कि वैभव सूर्यवंशी को अपने दमदार प्रदर्शन के दम पर सीनियर भारतीय टीम में पहली बार मौका मिला है। वैभव आयरलैंड के खिलाफ दो और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुने गए हैं। 15 साल के वैभव को अगर प्लेइंग-11 में शामिल होने का मौका मिलता है तो वह भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। वैभव इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ देंगे।

वैभव के चयन पर मना था जश्न

वैभव को जब छह जून को भारतीय टीम में चुना गया था तो उनके गांव ताजपुर में जश्न मना था। समस्तीपुर जिले में जश्न का माहौल था और उनके पड़ोसियों तथा रिश्तेदारों ने मीठाई बांटी थी और पटाखे चलाकर जश्न मनाया था। वैभव फिलहाल त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारत ए टीम के साथ श्रीलंका में हैं।

श्री गुरु अर्जन देव जी, के शहीदी दिवस को समर्पित,कैपिटल बैंक ने ठंडा और मीठे जल की लगाई शब्बील

जालंधर, 13 जून (डोगरा)- सिखों के पांचवें गुरु, धन-धन साहिब श्री गुरु अर्जन देव जी, शहीदों के सरताज के शहीदी दिवस को समर्पित, कैपिटल स्मॉल फाइनेंस बैंक लोहियां खास के पूरे स्टाफ ने ठंडा और मीठे जल की लगाई शब्बील। इस मौके पर ब्रांच मैनेजर भूपिंदर सिंह, रणजीत सिंह ब्रांच मैनेजर जीरा, विपल अरोड़ा, सुखदेव सिंह कौरा, सुमनजीत कौर, राखी, लवप्रीत सिंह, करनप्रीत कौर, राजनीत कौर, शमशेर सिंह, अमरजीत सिंह, हरविंदर सिंह, अमनप्रीत सिंह प्रीत, पुनीत, कमलजीत सिंह मानक, शोभा सिंह हरविंदर सिंह, बॉबी, दलजीत सिंह और दूसरे सेवादार मौजूद थे।

सीनियर बॉयज कटोच शील्ड ट्रॉफी के लिए 31 संभावित खिलाड़ियों का चयन

15 जून को बर्ल्टन पार्क में रिपोर्ट करने के निर्देश

जालंधर, 13 जून (डोगरा)- जालंधर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (जेडीसीए) ने सीनियर बॉयज कटोच शील्ड ट्रॉफी टूर्नामेंट के लिए 31 संभावित खिलाड़ियों का चयन किया है। कुल 52 खिलाड़ियों में से 31 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। चयनित खिलाड़ियों को आगामी तैयारियों और अभ्यास सत्र के लिए 15 जून को शाम 4 बजे बर्ल्टन पार्क में रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। जेडीसीए द्वारा जारी सूची के अनुसार चयनित खिलाड़ियों में प्रीत दत्ता, गौरव चौधरी, अरुण कालिया, कार्तिक चड्ढा, कुंवर कुकरेजा, विक्रांत राणा, हरनूर पुन्नू, आजम नाजर, रिधम सत्यवान, कृष भगत, मृदुल संडल, आर्यन मेहरा, अनमोल लूथरा, वासु कौशल, पंकज रत्तू, वंश कौशल, अभयदीप सिंह, अर्जुन राजपूत, राजवीर जसवाल, परवीन कुमार, आदि वैद, सिमरजीत सिंह, शिवेन सेठ, दिव्यांशु बस्सी, इमैनुएल, प्रणय थरेजा, राघव, चेतन अरोड़ा, चिराग उप्पल, महेश शर्मा और बृजेश शामिल हैं। एसोसिएशन के अधिकारियों ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों का आगामी अभ्यास सत्रों में प्रदर्शन देखने के बाद अंतिम टीम का चयन किया जाएगा। खिलाड़ियों को समय पर पहुंचकर कोचिंग स्टाफ के निर्देशों का पालन करने के लिए कहा गया है।

बीएमएस फैशन शोरूम फायरिंग मामले में पुलिस को बड़ी सफलता; 24 घंटे के भीतर एक आरोपी गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । जालंधर
13 जून (महेश रहेजा)

जालंधर में किशनपुरा रोड स्थित बीएमएस फैशन शोरूम पर हुई फायरिंग की घटना को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर ट्रेस कर लिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस वारदात में शामिल आरोपियों के तार बस्तीयात क्षेत्र से जुड़े हुए हैं और घटना को अंजाम देने वाले शूटरों की पहचान भी कर ली गई है।

पुलिस कमिश्नर धनप्रीत कौर ने बताया कि घटना के तुरंत बाद डीसीपी मनप्रीत सिंह ढिल्लों, सीआईए तथा अन्य पुलिस टीमों को जांच में लगाया गया था। सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कुछ ही घंटों में आरोपियों तक पहुंच बनाई गई।

जांच के दौरान पुलिस ने फायरिंग में शामिल एक आरोपी कुश निवासी घास मंडी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरे शूटर की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से भी एक आपराधिक मामला दर्ज है।

प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया है कि

दोनों शूटर किसी विदेशी हैंडलर के इशारे पर काम कर रहे थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपियों के संपर्क किस विदेशी नेटवर्क से थे और उन्हें वारदात को अंजाम देने के निर्देश कहां से मिले।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले दिनदहाड़े बाइक सवार युवकों ने बीएमएस फैशन शोरूम के बाहर फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की थी। गोलियां लगने से शोरूम के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए थे। घटना के बाद पुलिस ने इलाके की सीसीटीवी फुटेज खंगालकर जांच तेज कर दी थी।

इस बीच शोरूम मालिक को विदेश से संचालित एक नंबर से धमकी भरी कॉल भी आई, जिसमें 50 लाख रुपये की फिरौती की मांग की गई। पुलिस इस एंगल को भी गंभीरता से लेते हुए पूरे नेटवर्क की पड़ताल कर रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में जल्द ही अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा और फायरिंग तथा फिरौती के पीछे सक्रिय पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जाएगा।

वेतन और काम के घंटों को लेकर कानपुर में शुरू श्रमिकों का आंदोलन : किया जमकर प्रदर्शन

कानपुर (सुनील बाजपेई)- यहां शनिवार को भी अपनी मांगों को लेकर श्रमिकों ने जमकर प्रदर्शन किया। यहां हरी मजार के पास स्थित करम कॉरपोरेशन के सैकड़ों कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए। काम ठप करके कर्मचारियों ने फैक्ट्री मालिक के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका आरोप है कि फैक्ट्री मालिक उन्हें तय मिनिमम वेतन भी नहीं दे रहे हैं। इतना ही नहीं एक शिफ्ट 8 घंटे की बजाए 12-12 घंटे की चल रही है। मजदूरों का आरोप है कि विरोध करने पर कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया जाता है। उन्हें सैलरी के नाम पर महज 7 से 8 हजार लेकर रुपये थमाए जा रहे हैं। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिला कर्मचारी भी शामिल थी। कर्मचारियों ने साफ कहा है, कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, वे पीछे नहीं हटेंगे।

बताते चलें कि दादा नगर डी-14 में कैरिन इंटरनेशनल चमड़े के उत्पाद बनाने वाली फैक्ट्री है। यह मुख्य रूप से लेडीज़ हैंडबैग, चमड़े की बेल्ट और अन्य चमड़े के सामान के निर्माण और खुदरा बिक्री के लिए जानी जाती है। यहां कार्यरत कर्मचारियों की मानें तो उन्हें सरकार की ओर से तय मिनिमम वेतन भी नहीं दिया जा रहा है। इसलिए आज शनिवार को कंपनी में कार्यरत 400 से ज्यादा कर्मचारियों ने काम ठप करके अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतर आए। उनका कहना है कि तय घंटे से ज्यादा काम, ओवर टाइम का एक्स्ट्रा भुगतान नहीं दिया जाता और रविवार को भी ड्यूटी कराई जाती है। कर्मचारियों का कहना है कि उनका आंदोलन कब तक चलेगा जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं कर दी जाएंगी।

मॉडल टाउन टेनिस अकादमी समर ओपन टूर्नामेंट का शानदार आगाज़

खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है : सुखदीप सिंह जज

» प्रथम न्यूज । जालंधर
13 जून (डोगरा)

सुखदीप सिंह जज द्वारा आयोजित मॉडल टाउन टेनिस अकादमी समर ओपन टूर्नामेंट का शानदार शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस टूर्नामेंट में विभिन्न राज्यों से लगभग 85 खिलाड़ियों ने भाग लिया। पहले दिन अंडर-10 से लेकर पुरुष एवं महिला वर्ग तक विभिन्न आयु वर्गों के मुकाबले आयोजित किए गए। उद्घाटन समारोह में मॉडल टाउन शॉपकीपर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीवी दुग्गल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ

डॉ. दर्शप्रीत कौर (निदेशक, न्यूरो विहार एवं चक्कर क्लिनिक), रमेश लखनपाल (सेनोरिटा इवेंट्स), सतवीर सिंह (भारत सोडा वाटर), राकेश शर्मा और संजीव दावर भी मौजूद रहे। टूर्नामेंट की सह-प्रायोजक डॉ. दर्शप्रीत कौर, निदेशक, न्यूरो विहार एवं चक्कर क्लिनिक, ने खिलाड़ियों को उपहार वितरित किए।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि न्यूरो विहार युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। आयोजक सुखदीप सिंह जज ने सभी अतिथियों, प्रायोजकों और खिलाड़ियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य टेनिस को बढ़ावा देना तथा युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य है ।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे भारत के नए सेना प्रमुख

केंद्र सरकार ने किया नियुक्ति का ऐलान

नई दिल्ली (ब्यूरो)- भारत सरकार ने लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ (Lt. Gen. Dhiraj Seth) को अगला सेना प्रमुख नियुक्त किया है। सेठ अभी उप सेना प्रमुख पद पर तैनात हैं। वह आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे।

उप सेना प्रमुख धीरज सेठ के करीब 40 साल का सैन्य अनुभव है। उन्होंने रेगिस्तान, जम्मू-कश्मीर और पश्चिम मोर्चे सहित कई संवेदनशील जगहों पर कमान संभाली है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

नींद का बार-बार टूटना सिर्फ थकान नहीं, हो सकता है शरीर की अंदरूनी गड़बड़ी का संकेत

अगर आप भी रात को बार-बार जागते हैं, तो इसे सिर्फ छोटी-मोटी नींद की समस्या समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। बार-बार नींद टूटना आपके शरीर की एक SOS कॉल हो सकती है–जो किसी छिपी हुई हेल्थ इश्यू की ओर इशारा कर रही हो। जैसे-जैसे लाइफस्टाइल और स्ट्रेस बढ़ता है, वैसे-वैसे नींद की गुणवत्ता पर असर पड़ना आम बात हो गई है।

नींद का बार–बार टूटना हार्मोनल बदलाव, ब्लड प्रेशर या ब्लड शुगर का असंतुलन, थायरॉइड, मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर या स्लीप एपनिया जैसी गंभीर स्थितियों से जुड़ा हो सकता है। नींद की यह गड़बड़ी आपके शरीर की रिकवरी, मेटाबॉलिज्म और इम्यून सिस्टम को भी प्रभावित करती है, जिससे थकान, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता की कमी जैसे लक्षण दिखने लगते हैं।

अगर आप खुद को अक्सर रात को 2 या 3 बजे उठता हुआ पाते हैं, और अगली नींद आने में दिक्कत होती है, तो समझिए कि ये केवल आदत नहीं बल्कि अंदर चल रही कुछ गड़बड़ियों का अलार्म है। समय रहते इसे समझना और सटीक निदान करवाना बहुत जरूरी है।

रात में नींद बार-बार टूटने के पीछे की सामान्य वजहें

कई बार नींद बीच में टूटना सामान्य बात लग सकती है, लेकिन जब यह बार–बार होता है, तो इसके पीछे कुछ प्रमुख कारण हो सकते हैं–जैसे ज्यादा पानी पीना, ब्लड शुगर फ्लक्चुएशन, चिंता या तनाव। नींद की सतह पर आने के दौरान हमारा शरीर थोड़ा सतर्क होता है, और अगर इस समय बाहरी या अंदरूनी संकेत मिलते हैं, तो नींद टूट जाती है। इसकी नियमितता एक इशारा हो सकती है कि शरीर कुछ बताना चाह रहा है।

मानसिक स्वास्थ्य और नींद के बीच का अनदेखा संबंध

डिप्रेशन, एंग्जायटी या ओसीडी जैसी मानसिक स्थितियों में बार–बार नींद का टूटना आम होता है। जब दिमाग लगातार चिंता और विचारों में उलझा रहता है, तो नींद गहरी नहीं हो पाती। इसका असर न केवल रात की नींद पर बल्कि दिनभर की एनर्जी और मूड पर भी पड़ता है।

डायजेस्टिव प्रॉब्लम्स और ब्लड शुगर का रोल

रात में भारी भोजन करना, बहुत देर से खाना खाना, या मीठा अधिक लेना नींद की गुणवत्ता पर असर डाल सकते हैं। जब शरीर डाइजेस्ट करने में व्यस्त होता है, तब भी गहरी नींद नहीं आ पाती। साथ ही, लो या हाई ब्लड शुगर के कारण भी शरीर अलर्ट मोड में आ जाता है और नींद टूट जाती है।

स्लीप एपनिया और सांस लेने में रुकावट

स्लीप एपनिया एक ऐसी स्थिति है जिसमें नींद के दौरान सांस कुछ सेकेंड्स के लिए रुक जाती है, जिससे शरीर को ऑक्सीजन कम मिलती है और नींद अचानक टूट जाती है।

इससे व्यक्ति को बार–बार जागना पड़ता है, अक्सर बिना कारण के। यह बहुत सामान्य कारण है जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

हॉर्मोनल असंतुलन और नींद का गहरा रिश्ता

आपके शरीर में मेलाटोनिन, कोर्टिसोल और इंसुलिन जैसे हॉर्मोन्स नींद और जागने के पैटर्न को नियंत्रित करते हैं। अगर इनमें से किसी का स्तर असंतुलित हो जाए–जैसे कोर्टिसोल का रात में अधिक बढ़ जाना–तो आपकी नींद बाधित हो सकती है। थायरॉइड की समस्याएं और मेनोपॉज के दौरान भी ऐसा होता है। ऐसे में नींद की क्वालिटी गिरती है और शरीर रिकवर नहीं कर पाता।

समाधान

नींद को सुधारने के आसान उपाय

नींद का पैटर्न सुधारने के लिए रोज़ एक जैसा सोने–जागने का समय रखें, सोने से पहले स्क्रीन टाइम कम करें और हल्का भोजन लें। रात में हल्के स्ट्रेच या ध्यान करें, कैफीन से दूरी बनाएं और जरूरत पड़े तो डॉक्टर से स्लीप साइकल की जांच कराएं। सही नींद शरीर की सबसे अच्छी पावर है।

क्या म्यूजिक थेरेपी कर सकती है डिप्रेशन का इलाज?

आज की भागदौड़ और अत्यधिक दबाव वाली जिंदगी में, जहां हर कोई अपने काम और चुनौतियों में उलझा है, डिप्रेशन और तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इनसे निपटने के लिए अक्सर लोग दवाइयों और पेशेवर थेरेपी का सहारा लेते हैं, जो निश्चित रूप से प्रभावी होती हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि हमारे आसपास ही एक ऐसा प्राकृतिक माध्यम मौजूद है जो इन चुनौतियों से उबरने में मदद कर सकता है?

हम बात कर रहे हैं म्यूजिक थेरेपी की। यह एक ऐसा अद्भुत विज्ञान है जिसमें संगीत और ध्वनि का उपयोग करके व्यक्ति को मानसिक, भावनात्मक और यहां तक कि शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। म्यूजिक थेरेपी न केवल तनाव को कम करने में सहायक है, बल्कि यह डिप्रेशन के इलाज में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। आइए इस लेख में जानते हैं कि कैसे संगीत की यह शक्ति हमें मानसिक शांति और बेहतर जीवन की ओर ले जा सकती है।

म्यूजिक थेरेपी क्या है?

म्यूजिक थेरेपी एक वैज्ञानिक और संरचित प्रक्रिया है, जिसमें प्रशिक्षित थेरेपिस्ट संगीत, ध्वनि, और लय का उपयोग करके व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को सुधारते हैं। इसमें गाने सुनना, गाना गाना, वाद्य यंत्र बजाना, या संगीत रचना शामिल हो सकता है। यह थेरेपी मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करती है, जो भावनाओं, स्मृति, और तनाव प्रबंधन से जुड़े होते हैं।

म्यूजिक थेरेपी के लाभ

म्यूजिक थेरेपी मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए कई लाभ प्रदान करती है। यह भावनाओं को व्यक्त करने का एक शक्तिशाली माध्यम है, जिससे दबी हुई भावनाएं बाहर आती हैं और मन हल्का होता है। शोध बताते हैं कि 20–30 मिनट का म्यूजिक थेरेपी सत्र तनाव और चिंता को 50% तक कम कर सकता है। डिप्रेशन में नींद की कमी को दूर करने के लिए शांत संगीत सुनने से गहरी नींद आती है। इसके अलावा, वाद्य यंत्र बजाना या गाना गाने से आत्मविश्वास बढ़ता है और जीवन में सकारात्मकता व प्रेरणा का संचार होता है।

कैसे शुरू करें?

म्यूजिक थेरेपी शुरू करने के लिए आपको किसी प्रशिक्षित म्यूजिक थेरेपिस्ट की मदद लेनी चाहिए। वे आपकी मानसिक स्थिति के अनुसार संगीत का चयन करते हैं। घर पर भी आप शास्त्रीय संगीत, ध्यान संगीत, या अपने पसंदीदा गाने सुन सकते हैं। रोजाना 15-30 मिनट शांत जगह पर संगीत सुनें, गहरी सांस लें, और भावनाओं को महसूस करें। बांसुरी, सितार, या पियानो की धुनें विशेष रूप से प्रभावी होती हैं।

गर्मी के सितम से बचाएं खुद को, यह शरीर के साथ- साथ दिमाग पर भी करती है अटैक

गर्मी सिर्फ शारीरिक थकावट या पसीने की तकलीफ ही नहीं लाती, बल्कि इसका असर हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहराई से होता है। बढ़ते तापमान और हीटवेव के कारण शरीर के साथ–साथ दिमाग भी परेशान होने लगता है। समय पर सतर्कता और सही जीवनशैली अपनाकर हम अपने शरीर और दिमाग दोनों को सुरक्षित रख सकते हैं। आइए जानते हैं कैसे।

हीटवेव का शरीर पर प्रभाव

डिहाइड्रेशन : शरीर में पानी की मात्रा तेजी से कम होने लगती है जिससे चक्कर, कमजोरी और थकान महसूस होती है।

हीट स्ट्रोक : जब शरीर बहुत ज्यादा गर्म हो जाए और पसीना न निकले, तो यह जानलेवा स्थिति बन सकती है।

डायरिया और पेट की बीमारियां

गर्मी और नमी में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं, जिससे डायरिया, फूड पॉयज़निंग और उल्टी–दस्त जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं।

स्किन प्रॉब्लम्स : अत्यधिक पसीना, घमौरियां, सनबर्न और रैशेज आम हो जाते हैं।

गर्मी का मानसिक स्वास्थ्य पर असर

चिड़चिड़ापन और गुस्सा : गर्मी तनाव को बढ़ाती है और मूड स्विंग्स आम हो जाते हैं।

एकाग्रता में कमी

अत्यधिक गर्मी दिमाग को थका देती है, जिससे पढ़ाई या काम पर ध्यान देना मुश्किल हो जाता है।

नींद की समस्या : पसीने और बेचैनी के कारण नींद पूरी नहीं हो पाती, जिससे मानसिक थकावट बढ़ती है।

गर्मी में संक्रमण का फैलाव कैसे बढ़ता है?

गर्म मौसम में पानी और भोजन जल्दी खराब होते हैं। दूषित जल और खुले खाने से डायरिया, टाइफाइड, हैजा जैसे रोग फैलते हैं बच्चों और बुजुर्गों में इम्यून सिस्टम कमजोर होता है, जिससे बीमारी जल्दी लगती है। जो लोग पहले से तनाव, डिप्रेशन या एंग्जायटी से जूझ रहे हैं, गर्मी उनके लक्षण और बढ़ा सकती है।

गर्मी से दिमाग और शरीर को राहत देने के आसान उपाय

इस दौरान भरपूर पानी पिएं, नींबू पानी, नारियल पानी, छाछ जैसे पेय शरीर और दिमाग को ठंडा रखते हैं। इस मौसम में ताजे फल, हरी सब्जियां और सलाद से ऊर्जा मिलती है।गर्म समय में बाहर जाने से बचें विशेषकर दोपहर 12 से 3 के बीच। ऐसे में दिन में आराम करें और पर्याप्त नींद लें।

समय मिलने पर ध्यान, प्राणायाम और मेडिटेशन करें, इससे दिमाग शांत और स्थिर रहता है। घर में ठंडा वातावरण बनाए रखें ,खिड़कियां बंद रखें, पर्दे लगाएं, पंखा–कूलर का उपयोग करें। बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें, उन्हें बार–बार पानी पिलाएं।

सावधान! मुंह के ये अल्सर बन सकते हैं कैंसर का कारण

कैंसर दुनिया की आम बीमारियों में से एक है। खासतौर पर भारत में तो यह बहुत ज्यादा एक्टिव डिजीज माना गया है। कैंसर कई प्रकार का हो सकता है जैसे कि ब्रेस्ट, लंग्स या फिर माउथ कैंसर। मुंह का कैंसर भी देश में बहुत ज्यादा आम हो गया है क्योंकि अपने देश में तंबाकू और गुटखा जैसे पदार्थों का सेवन बहुत ज्यादा किया जाता है। हालांकि, आपको यह समझना भी जरूरी है कि मुंह का कैंसर सिर्फ इन वजहों से नहीं होता है। मुंह के अंदर बनने वाले घाव या अल्सर भी माउथ कैंसर का कारण बन सकते हैं। आइए जानते हैं इस बारे में डॉक्टर से।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

डेंटल इंस्टीट्यूट रिम्स रांची में कार्यरत, ओरल मेडिसिन और रेडियोलॉजी में एमडीएस विभाग की ओरल कैंसर और डेंटल उपचार एक्सपर्ट डॉक्टर सुगंधा वर्मा बताती हैं कि कई बार लोगों के मुंह में सीरियस अल्सर हो जाते हैं, जो तेज ब्रशिंग या दांतों के जरिए गलती से गालों पर कट लग जाने से होता है। ये मुंह के घावों के कारण है, जो कई बार काफी दिनों तक सही नहीं होते हैं। ये भी मुंह के कैंसर का कारण हो सकते हैं।

अल्सर से मुंह का कैंसर कैसे होता है?

एक्सपर्ट के मुताबिक, कुछ मुंह के अल्सर खाने–पीने से नहीं बल्कि शार्प ऑब्जेक्टस से हो जाते हैं। किसी नुकीली चीज से चोट लगने पर घाव होते हैं।

अगर ये सही नहीं हो रहे हैं, तो इनमें कैंसर हो सकता है। अगर एकबार होने के बाद दोबारा उसी जगह पर घाव बन रहा हैं, तो यह संकेत बिल्कुल सही नहीं है। ये सीरियस माउथ अल्सर है, जो कैंसर का कारण बनते हैं।

मुंह का अल्सर कितना खतरनाक?

आमतौर पर मुंह का अल्सर खुद ही ठीक हो जाता है और ज्यादा खतरनाक नहीं होता है। लेकिन कुछ स्थितियों में यह गंभीर भी हो सकता है, जैसे कि अल्सर का आकार बढ़ना, उनमें से खून आना, बहुत ज्यादा सूजन होना और 1 महीने में भी ठीक न होना।

एक्सपर्ट बताते हैं कि इसे कॉमन डेंटल प्रॉब्लम समझना सही नहीं है। कैंसर है या नहीं, इसकी पहचान के लिए डॉक्टर से जरूर मिलें।

मुंह के कैंसर के अन्य संकेत

हालांकि, माउथ कैंसर का सबसे आम संकेत ही छाला या घाव होता है, लेकिन हर बार हो यह जरूरी नहीं इसलिए जांच करवाएं। इसके अलावा, खाना निगलने में दिक्कत होना, गले में खराश तथा आवाज में बदलाव के साथ कानों में दर्द और खून आना भी इसमें शामिल है। मसूड़ों, गालों और जीभ में सूजन होना, इसका संकेत है।

मुंह के कैंसर की जांच कैसे होती है?

इसके लिए सबसे पहले तो आपको डॉक्टर से मिलना होगा, वे स्वयं फिजिकली इसे चेक करेंगे। इसके अलावा, बायोप्सी, इमेज टेस्टिंग और एंडोस्कोपी भी करवाई जाती है।

बचाव कैसे होगा?

मुंह के कैंसर की रोकथाम के लिए आपको अपने ओरल हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है। सबसे पहले तो मुंह की सफाई का ख्याल रखें। कुछ भी खाना खाने के बाद पानी पिएं या कुल्ला करें। दिन में 2 ब्रश करें। दांतों या मसूड़ों में खाना फंसा हुआ न रहने दें। तंबाकू, शराब, सिगरेट तथा बहुत ज्यादा एसिडिक ड्रिंक्स न पिएं।

एलर्जी ही नहीं स्ट्रेस से भी आता है अस्थमा का अटैक, खुलकर सांस लेनी है तो जान लें ये उपाय

विश्व अस्थमा दिवस हर साल मई महीने के पहले मंगलवार को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य दुनियाभर में अस्थमा (दमा) को लेकर जागरूकता फैलाना और इसके मरीजों की देखभाल को प्रोत्साहित करना है। यह दिवस ग्लोबल इनिशिएटिव फॉर अस्थमा द्वारा आयोजित किया जाता है। बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि केवल एलर्जी ही नहीं लेकिन बहुत से ऐसे कारण हैं जो अस्थमा को ट्रिगर करते हैं। विश्व अस्थमा दिवस के मौके पर जानते हैं इसके बारे में विस्तार से।

क्या है अस्थमा?

अस्थमा एक दीर्घकालिक (क्रॉनिक) श्वसन रोग है, जिसमें श्वास नलिकाओं (ब्रोंकिओल्स) में सूजन आ जाती है। इससे रोगी को निम्नलिखित समस्याएं होती है जैसे–लगातार खांसी, सांस फूलना, सीने में जकड़न और घरघराहट की आवाज आना । विश्व अस्थमा दिवस का उद्देश्य लोगों को अस्थमा की पहचान, कारण और इलाज के बारे में जागरूक करना है। यह समझाना कि सही दवाओं और जीवनशैली में बदलाव से अस्थमा को नियंत्रित किया जा सकता है।

अस्थमा अटैक के कारण

एस्पिरिन (Aspirin) और NSAIDs (जैसे आइबुप्रोफेन) जैसी कुछ दवाएं लोगों में अस्थमा अटैक का कारण बन सकती हैं ।ये दवाएं ब्रोंकियल ट्यूब्स में संकुचन पैदा कर सकती हैं जिससे सांस लेने में दिक्कत होती है ।आमतौर पर माना जाता है कि वायरस ही अस्थमा को बढ़ाते हैं, लेकिन कुछ बैक्टीरिया भी फेफड़ों में संक्रमण करके अस्थमा के लक्षणों को ट्रिगर कर सकते हैं, जैसे खांसी, घरघराहट और सीने में जकड़न।

मानसिक तनाव या एंग्जायटी (चिंता) अस्थमा के लक्षणों को बढ़ा सकते हैं। यह शरीर में हार्मोनल असंतुलन उत्पन्न कर सकता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है।

गंभीर भावनात्मक तनाव भी कभी–कभी अस्थमा अटैक का कारण भी बन सकता है।

इससे बचने के उपाय

- धूल-मिट्टी, धुआं, पालतू जानवरों के बाल, परागकण, सर्द हवा और तेज गंध (परफ्यूम, अगरबत्ती, कीटनाशक) से दूर रहें।
- डॉक्टर द्वारा बताई गई इनहेलर या अन्य दवाएं समय पर लें। लक्षण न भी हों तो भी नियत दवा बंद न करें, जब तक डॉक्टर ना कहें।
- अनुलोम-विलोम, भस्त्रिका और कपालभाति जैसे प्राणायाम लाभदायक होते हैं। हल्की योगासन, जैसे ताड़ासन, वज्रासन और भुजंगासन से भी लाभ मिलता है।
- खुद धूम्रपान न करें और न ही किसी स्मोकिंग एरिया में जाएं। शराब और कैफीन का अत्यधिक सेवन अस्थमा ट्रिगर कर सकता है।
- हल्का, सुपाच्य और पोषक आहार लें। विटामिन ष्ट, ष्ठ, ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर चीज़ें लें जैसे - आंवला, बादाम, तुलसी, हल्दी वाला दूध आदि।
- समय-समय पर डॉक्टर से मिलें। पीक फ्लो मीटर से श्वास क्षमता की जांच करते रहें।
- घर को साफ और हवादार रखें। रोजाना झाड़ू-पोंछा करें, पर धूल उड़ने से बचें।
- अचानक अटैक आने की स्थिति में रिलीवर इनहेलर काम आता है, इसे हमेशा साथ रखें।